स्थापित 1972

दैनिक भोर

जयपुर,श्रीगंगानगर व नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित Website :- www.dainikbhor.com

folow us on

जयपुर वर्ष : 16 अंक : 87 पेज : 8 पोस्टल रजि.नं. जयपुर शहर/002/2016-18 , मूल्यः 1.00 RNI-RAJ.HIN 2003 11416 फोन : 2590091,2590070 फैक्स नं. 2594054 thebhor@yahoo.com

खुल गया शाहिद की किस्मत...पेज-5

सर्दियों के लिए संजीवनी है...पेज-6

रविवार, 28 जनवरी, 2018

अलवर-अजमेर लोकसभा और मांडलगढ़ विधानसभा उपचुनाव का प्रचार थमा, 29 को मतदान

जयपुर, 27 जनवरी (एजेंसी)। अलवर-अजमेर लोकसभा क्षेत्र और मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए जोर-शोर के किया जा रहा चुनाव प्रचार अब थम गया है। भाजपा और कांग्रेस पार्टी ने इन क्षेत्रों में रोड शो और जनसंपर्क में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। गौरतलब है कि इन क्षेत्रों में 29 जनवरी को मतदान होगा।

खास बात यह है कि मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने पक्ष में जनसमर्थन जुटाने के लिए अजमेर-अलवर लोकसभा और मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में रोड शो किए। इसके अलावा कई आमसभाएं भी कीं। अब 29 जनवरी को मतदान के बाद दोनों पार्टियों का भाग्य मतपेटियों में बंद हो जाएगा और 1 फरवरी को परिणाम आने के बाद दोनों पार्टियों के भाग्य का फैसला होगा।

मुख्यमंत्री ने मसाला चौक और चौड़ा रास्ता में किया लाइटिंग का शुभारम्भ

15 अगस्त तक आकर्षक लाइटिंग से जगमगाएगा पूरा परकोटा : राजे

जयपुर, 27 जनवरी (का.स.)। मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने शुक्रवार को रामनिवास बाग में मसाला चौक फूड कोर्ट तथा जयपुर वाल्ड सिटी इल्यूमिनेशन प्रोजेक्ट के प्रथम चरण में न्यू गेट, चौड़ा रास्ता एवं त्रिपोलिया गेट पर की गई लाइटिंग का स्विच ऑन कर शुभारम्भ किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि 15 अगस्त तक सम्पूर्ण चारदीवारी क्षेत्र में लाइटिंग का यह काम पूरा हो जाएझगा और पुराना शहर आकर्षक लाइट्स से जगमग हो उठेगा। राजे ने कहा कि जयपुर की समृद्ध विरासत को सहेजते हुए उसे और सुंदर बनाने के लिए ये विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। इससे जयपुर में पर्यटन को तो बढ़ावा मिलेगा ही। यहां का व्यापार भी बढ़ेगा। साथ ही जयपुरवासियों को पर्यटन के लिए नए केंद्र उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर को स्मार्ट बनाने के लिए रिंग रोड, द्रव्यवती रिवर फ्रंट, नाइट ट्यूरिज्म, पैंथर सफारी सहित कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। ये प्रोजेक्ट जयपुर को आधुनिक बनाने के साथ ही इसकी सुंदरता में चार चांद लगाएंगे। इस अवसर पर चौड़ा रास्ता व्यापार मण्डल एवं जयपुर व्यापार महासंघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का शॉल एवं चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया और चारदीवारी में करवाए जा रहे विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया।

मंदगी फैलाने पर चावला रेस्टोरेंट सीज

जयपुर। महापौर डॉ. अशोक लाहोटी के निर्देश पर नगर निगम जयपुर द्वारा मोतीडूंगरी जोन में मालवीय नगर में स्थित चावला रेस्टोरेंट को सीज कर दिया गया। यह कार्यवाही आस-पास गंदगी फैलाने और अस्थाई अतिक्रमण करने पर की गई। कार्यवाही के दौरान मोतीडूंगरी जोन के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक योगेंद्र जाजोटर उपस्थित।

काबुल में बड़ा आतंकी हमला, 40 लोगों की मौत, 110 से ज्यादा घायल

काबुल। मध्य काबुल में शनिवार को सिदारत स्क्वेयर के पास हुए एक भयानक विस्फोट में 40 लोगों की मौत, 110 से ज्यादा घायल हो गए हैं और संपत्ति का काफी नुकसान हुआ है। प्रत्यक्षदर्शी मोहम्मद मुस्तफा ने कहा कि विस्फोट जम्हरियत अस्पताल के सामने अपराह्न लगभग 12.50 बजे हुआ, जहां कई सरकारी कार्यालय स्थित हैं। उन्होंने कहा, हमें इलाके में भयानक विस्फोट सुनाई दिया, जो सिदारत स्क्वेयर से कुछ मीटर दूर है। फिलहाल, पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। सुरक्षा बलों ने एहतियाती कदम के रूप में इलाके को घेर लिया है। किसी भी समूह ने अभी तक हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। लगभग 50 लाख आबादी वाले इस राजधानी शहर में पिछले कुछ सालों से लगातार आतंकवादी हमले हो रहे हैं। काबुल में स्थित एक आलीशान होटल पर तालिबान द्वारा 20 जनवरी को किए गए हमले में 14 विदेशियों सहित 20 से अधिक लोग मारे गए थे और एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए थे।

2018-19 के बजट के लिए दिल्ली सरकार तीन दिवसीय चर्चा करेगी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने वित्त वर्ष 2018-19 के लिए बजट निर्माण की प्रक्रिया की शुरूआत कर दी है। इस विषय पर अगले महीने तीन दिवसीय एक चर्चा आयोजित की जाएगी। सरकार ने सभी विभागों के प्रमुखों से मौजूदा 2017-18 के परिणामी बजट की तीसरी तिमाही की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने को भी कहा है। इस कदम का लक्ष्य व्यय में पारदर्शिता और जिम्मेदारी स्थापित करना है।

एक अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2018-19 के परिणामी बजट बनाने की तैयारी के लिए विभाग-वार तीन दिवसीय चर्चा सात फरवरी से शुरू होगी। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों की तरह इस बार भी बजट में स्वास्थ्य, शिक्षा और परिवहन पर खास ध्यान दिया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम के अनुसार, महिला एंव बाल कल्याण, अनुसूचित जाति/जनजाति, सामाजिक कल्याण, शिक्षा, कला, संस्कृति और भाषा, श्रम और दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड विभागों के व्यय और प्रस्ताव पर सात फरवरी को चर्चा आयोजित की जाएगी। आठ फरवरी को स्वास्थ्य, गृह, पर्यटन, विकास और पर्यावरण विभाग पर चर्चा होगी जबकि नौ फरवरी को लोक निर्माण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड, शहरी विकास और राजस्व आदि विभागों पर चर्चा की जाएगी। पिछले साल दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने वर्ष 2017-18 का परिणामी बजट पेश किया था और कहा था कि देश में पहली बार दिल्ली सरकार ने इस तरह की प्रक्रिया अपनाई है।

पीएलएफ 2018 : आवारा पूंजी के वर्चस्व के खिलाफ समानांतर साहित्य उत्सव-2018 का आगाज

जयपुर, 27 जनवरी (का.स.)। राजधानी जयपुर में तीन दिवसीय समानांतर साहित्य उत्सव यानी पीएलएफ का शनिवार से शुभारंभ हो गया। इस समानांतर साहित्य उत्सव का साहित्यकार विभूति नारायण, मैत्रेयी पुष्पा, अर्जुन देव चारण, राजेंद्र राजन, विष्णु खरे, नरेश सक्सेना और लीलाधर मंडलोई ने दीप प्रज्जवलित करके उदघाटन किया। स्वागत उदबोधन में पीएलएफ के अध्यक्ष ऋतुराज ने कहा कि यह आयोजन राजस्थान प्रगतिशील लेखक संघ का एक छोटा सा प्रयास है। यह पहल इस तरह की है जैसे किसी शिशु ने एक बड़ी झील पर पत्थर फेंकने की कोशिश की हो। उन्होंने कहा कि आजकल जो लिट् फेस्ट हो रहे है, ऐसे आयोजन सिर्फ आवारा पूंजी के वर्चस्व के खेल है। पीएलएफ एक समानांतर प्रतिरोध करने की कोशिश है सत्ता और बाजार के समीकरण को चुनौती देती है।

मानुष्य सेवा सदन का चिकित्सा शिविर आज

जयपुर, 27 जनवरी (एजेंसी)। मानुष्य सेवा सदन के तत्वाधान में आज राजकीय बालिका प्राथमिक विद्यालय सहकार मार्ग 22 गोदाम पर चिकित्सा शिविर व नि:शुल्क जांच शिविर का आयोजन किया जायेगा। उक्त जानकारी संस्था अध्यक्ष पवन शर्मा ने एक विज्ञप्ति जारी कर दी। इस चिकित्सा मधुमेह जांच शिविर में सभी जरूरतमंदों को नि:शुल्क चिकित्सा एवं अन्य जांचे भी की जायेगी और दवा वितरण कर सभी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जायेगा एवं स्वच्छ रहने व स्वच्छता बनाये रखने के लिए सभी को जागरूक व आग्रह किया जायेगा।

भूपेश राजावत के प्रयास रंग लाये, मेव मुस्लिम (फकीर) भाजपा में शामिल

अलवर,27 जनवरी(कासं.)। जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है वैसे वैसे लोगों का रूझान मतदान व भाजपा के प्रति बढ़ रहा है। भाजपा किसान मोर्चा जिला प्रभारी भूपेश राजावत व उनकी टीम की मेहनत रंग लाई। आज कंवल रिसोर्ट में भूपेश राजावत की अध्यक्षता व भाजपा जिलाध्यक्ष पण्डित धर्मवीर शर्मा के नेतृत्व व मुख्यातिथ्य में मेव मुस्लिम (फकीर) समुदाय के लोग भारी संख्या में भाजपा में शामिल हुऐ है। राजावत का कहना है कि मुस्लिम समुदाय के भाईयों का भाजपा में शामिल होना उनकी बडी जीत है। पार्टी हित में बडा काम हुआ। उन्होंने बताया कि उक्त तमाम कार्य जिलाध्यक्ष पण्डित धर्मवीर शर्मा के आर्शीवाद व कुशल नेतृत्व में संभव हुआ है। मेव मुस्लिम भाईयों ने हमें आश्वस्त किया है कि वे एक तरफा मतदान करके भाजपा प्रत्याशी जसवंत सिंह यादव को विजय बनायेगें।

राजावत का कार्यकर्ता सहित सघंन जनसपर्क

अलवर 27 जनवरी (कासं.)। भाजपा किसान मोर्चा प्रभारी भूपेश सिंह राजावत आज दल-बल सहित तिजारा विधानसभा क्षेत्र व कोटकासिम विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष मतदान करने के लिए जनसम्पर्क किया। भूपेश सिंह राजावत ने बताया कि दोनों विधनसभा क्षेत्रों के दर्जनभर गांवों में जनसम्पर्क किया लोगों में भाजपा के प्रति काफी उत्साह है। लोगों ने मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अत्याधिक उत्साह है। लोग जसवंत सिंह यादव को विजय नहीं बना रहे बल्कि वसुंधरा राजे के हाथ मजबूत कर मोदी को विजयी कर रहे है। राजावत ने बताया कि आज उनके नेतृत्व में लगभग पचास कार्यकर्ता गांव-गांव घर-घर घूमे। मतदाताओं ने उनका तहेदिल से स्वागत ही नहीं किया बल्कि भाजपा को वोट देने के लिए वादा भी किया।

भारत, कंबोडिया ने रक्षा समझौते को बढ़ावा देने के लिए चार समझौते किये

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसी)। भारत और कंबोडिया ने रक्षा समझौतों को बढ़ावा देने का निर्णय लेते हुए चार समझौते किये। इन समझौतों में अपराधों की रोकथाम, जांच में सहयोग सुधारने और आपराधिक मामलों में कानूनी सहायता के अलावा भारत से कंबोडियाई स्टंग सवा हाब जल संसाधन विकास परियोजना के लिए 3.692 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण उपलब्ध कराना शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके कंबोडियाई समकक्ष समदेच हुन सेन के बीच हुई समग्र वार्ता के बाद इन समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये। दोनों नेता द्विपक्षीय समझौतों को और बढ़ाये जाने पर सहमत हुए। दोनों नेताओं ने विकास साझेदारी को तेज करने की संभावनाओं को तलाशने पर भी चर्चा की और व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा संरक्षण, कृषि, पर्यटन तथा संस्कृति समेत कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संबंध बढाने पर विचार-विमर्श किया। भारत और कंबोडिया ने मानव तस्करी की रोकथाम पर भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये जिसके तहत दोनों देश मानव तस्करी से संबंधित मुद्दों पर द्विपक्षीय सहयोग बढायेंगे। दोनों देशों के बीच 2018-2020 के दौरान सांस्कृतिक आदान-प्रदान संबंधी समझौता भी हुआ।

वित्तमंत्री ने कहा- जीएसटी में स्थिरता, दरों में और बदलाव के संकेत

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसी)। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा? कि माल व सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली बहुत ही छोटे समय में स्थिर हो गई है जिससे इसके आधार के विस्तार तथा भविष्य में दरों को और युक्तिसंगत बनाए जाने की गुंजाइश बनी है। यहां एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि जीएसटी से देश में अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में आमूल चूल बदलाव आया है। वित्त मंत्री ने कहा कहा कि कई दूसरे देशों की तुलना में भारत में जीएसटी प्रणाली बहुत ही कम समय में ही स्थिर हो गई है। अंतरराष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में जेटली ने कहा,इससे हमारे पास मौका है कि हम आने वाले समय में इसके (जीएसटी) आधार को बढ़ाएं तथा ढांचे को और अधिक युक्तिसंगत बनाएं। इस समय जीएसटी प्रणाली में कर की चार स्तर की करें लागू हैं। ये दरें पांच प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत व 28 प्रतिशत की है। सरकार ने नवंबर की बैठक में जीएसटी परिषद ने 28 प्रतिशत की उच्चतम सीमा के तहत केवल अहितकर और विलासिता की चीजों को ही रखने का निर्णय लिया । उसी बैठक में 200 से अधिक प्रकार की वस्तुओं पर कर की दरें कम कर दी गयीं। इनमें 178 प्रकार की वस्तुओं को उच्चतम कर श्रेणी से निकाल कर 18 प्रतिशत और 13 प्रकार की वस्तुओं को 18 प्रतिशत की जगह 12 प्रतिशत के दायरे में ला दिया था। इसके अलावा कुछ चीजें 12 प्रतिशत की जगह पांच प्रतिशत और छह चीजें 18 की जगह 5 प्रतिशत के दायरे में लायी गयीं। इसके पश्चात नवंबर में जीएसटी की वसूली गिर कर 80,808 करोड़ रुपये पर आ गयी। लेकिन दिसंबर में वसूली बढ़ कर 86,703 करोड़ रुपये रही। अक्तूबर में वसूली 83,000 करोड़ रुपये तथा सितंबर में वसूली 92,150 करोड़ रुपये थी।

जेएलएफ 2018-मुझे दिल्ली के लिए भाजपा सरकार का भी साथ मिला था : शीला दीक्षित

जयपुर, 27 जनवरी (एजेंसी)। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित का कहना है कि जब वे मुख्यमंत्री थी तो उस समय प्रधानमंत्री थे अटल बिहारी वाजपेयी। वे कहते थे कि दिल्ली के हित की जो भी बात है, वह हमारे हित की भी है, क्योंकि हमारी सरकार भी यहीं बैठती है। उस समय जो आपसी समझ थी, वह आज नहीं है और इसीलिए आज दिल्ली रुक गई है। इसमें कुछ भी नया नहीं जुड़ रहा है। मुझे नहीं पता कि समझ बन पाएगी या नही, लेकिन बननी जरूर चाहिए। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में दिल्ली की पूर्व सीएम शीला दीक्षित ने अपनी किताब सिटीजन डेल्ही माई टाइम माई लाइफ के विमोचन के बाद पत्रकार और एंकर विनोद दुआ से बात करते हुए दिल्ली में अपनी जीवन यात्रा और सरकार में अपने अनुभवों को खुल कर जाहिर किया। उन्होंने कहा कि मुझे दिल्ली के लिए केन्द्र की भाजपा सरकार का भी साथ मिला और उत्तर प्रदेश की मायावती सरकार का भी, क्योंकि दिल्ली के विकास को कोई रोकना नहीं चाहता था। सब मिल कर काम कर रहे थे। उन्होंने कॉमन वेल्थ गेम्स की बात भी की और कहा कि उस समय की केन्द्र सरकार के दो मंत्रियों ने हमें किसी भी तरह की सहायता देने से मना कर दिया था, लेकिन यह देश का सवाल था और हमने खुद सारी व्यवस्था की। आज मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि ये अब तक के सबसे अच्छे कॉमनवेल्थ गेम्स थे, लेकिन किसी ने हमें धन्यवाद नहीं दिया और तारीफ भी नहीं होने दी गई।

शीला दीक्षित ने कहा कि मेरा सब कुछ दिल्ली में है। दिल्ली मेरे लिए आशा है, सपना है और जो दिल्ली ने दिया वह मुझे कहीं और नहीं मिल सकता था। मेरे बचपन की दिल्ली बहुत शांत थी और यहां बहुत कम चीजें हुआ करती थीं। लोग कहते थे कि आप तो यहां गंवारों की तरह रहते हो। लाइफ देखनी है तो मुंबई या कोलकाता जाइए। आज तो दिल्ली कल्पना के परे जाकर बदल गई।

पति ने बस में किया था प्रपोज : अपनी युवावस्था को याद करते हुए शीला दीक्षित ने बताया कि वे मिरांडा हाउस में पढ़ती थीं और उनके कॉलेज और सेंट स्टीवंस कॉलेज के लिए एक ही बस चलती थी। दोनों कॉलेजों में बड़ा प्यार का रिश्ता था। मेरे पति ने मुझे इस बस में ही प्रपोज किया था। बात चलती रही, क्योंकि उस जमाने में हम माता-पिता की आज्ञा के बिना शादी नहीं कर सकते थे, फिर हमारा अंतरजातीय विवाह था, लेकिन यह हो गया।

राजीव ने पूछा था कि मैं आपके लिए क्या कर सकता हूं : शीला दीक्षित ने बताया कि पति की मौत के बाद राजीव गांधी मुझे ढांढ़स बंधाने आए थे और उन्होंने पूछा था कि मैं आपके लिए क्या कर सकता हूं। तो मैंने उन्हें कहा था कि मुझे बहुत व्यस्त बना दीजिए। उन्होंने मुझे अपने साथ प्रधानमंत्री कार्यालय में लगा लिया, हालांकि मैं यह चाहती नहीं थी, क्योंकि मैं जानती थी, लोग बहुत जलेंगे, पर मुझे उस स्थिति से उबरने में काफी सहायता मिली।

लोकसभा अध्यक्ष ने रविवार को सदन के नेताओं की बैठक बुलायी

नयी दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने संसद के बजट सत्र की पूर्व संध्या पर रविवार को सदन में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं की एक बैठक बुलायी है। बजट सत्र में तीन तलाक विधेयक समेत विभिन्न मुद्दों पर सरकार और विपक्ष के बीच टकराव होने की आशंका है। सरकार ने भी रविवार को ऐसी बैठक बुलायी है जहां प्रधानमंत्री और शीर्ष विपक्षी नेता उन मुद्दों पर अपनी बात रख सकते हैं जो सदन में उठाये जा सकते हैं। इस सत्र का पहला चरण 29 जनवरी से 9 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान सरकार 29 जनवरी को आर्थिक सर्वेक्षण पेश करेगी और फिर एक फरवरी को केंद्रीय बजट पेश किया जाएगा। लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अभिभाषण के साथ सत्र शुरू होगा।

उमंग, जोश और हर्षोल्लास से भरतपुर के लोहागढ़ स्टेडियम में मनाया गया गणतंत्र दिवस

जयपुर, 27 जनवरी (का.स.)। राज्यपाल कल्याण सिंह ने शुक्रवार को भरतपुर के लोहागढ़ स्टेडियम में आयोजित राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में झण्डारोहण किया। लोगों से खचाखच भरे स्टेडियम में राज्यपाल सिंह ने खुली जिप्सी में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने भरतपुर के जनसमूह का हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार किया। सिंह ने विभिन्न टुकडियों द्वारा प्रस्तुत मार्चपास्ट की सलामी ली। समारोह में मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे की मौजूदगी में हाडौरानी महिला बटालियन, 14वीं बटालियन आरएसी, पंजाब पुलिस, जिला पुलिस भरतपुर, जीआरपी, एसडीआरएफ और ईआरटी, करागृह, बॉर्डर होमगार्ड, अरबन होमगार्ड भरतपुर, एनसीसी, शारीरिक प्रशिक्षण, एसपीसी और स्काउट गाइड के एक-एक प्लाटून ने परेड में भाग लिया। परेड में आर्मी बैण्ड ने भी भाग लिया। परेड का नेतृत्व सहायक पुलिस अधीक्षक (प्रोबेशन) आरपीए, जयपुर मृदुल कच्छावा ने किया। स्टेडियम में भरतपुर शहर के विभिन्न विद्यालयों के 1200 छात्र-छात्राओं और 120 लोक कलाकारों ने कोरियोग्राफर भानु भारती के नेतृत्व में सांस्कृतिक प्रस्तुतीकरण किया।'सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तां हमारा', 'सुनो गौर से दुनिया वालों बुरी नजर न हम पे डालो सबसे आगे होंगे हिन्दुस्तानी' और 'अरूण यह मधुमय देश हमारा' जैसी राष्ट्रभक्ति की स्वरलहरियों से लोहागढ़ स्टेडियम गूंज उठा। कलाकारों ने विभिन्न नृत्य मुद्राओं में आकर्षक मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों द्वारा पेश कालबेलिया, घूमर, मयूर नृत्य, डांडिया, तेलंगाना नृत्य, बंगाली जनजाति नृत्य की बेहतर प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सेन्ट्रल पुलिस बैण्ड द्वारा बैण्ड वादन किया गया। राज्यपाल कल्याण सिंह के राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में लोहागढ़ स्टेडियम पहुंचने पर मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने अगवानी की। इस मौके पर मुख्य सचिव एन सी गोयल सहित बडी संख्या में जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारीगण मौजूद थे।

राज्यपाल सिंह ने शुक्रवार को यहां लोहागढ़ स्टेडियम में राष्ट्रपति पुलिस पदक, राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा सराहनीय सेवा पदक, पिस्टल मय प्रशंसा पत्र और योग्यता प्रमाण पत्र से अधिकारियों और कर्मचारियों को नवाजा।

राष्ट्रपति पुलिस पदक- महानिरीक्षक पुलिस (सुरक्षा) (हाल सेवानिवृत) गुरूचरण राय, प्लाटून कमाण्डर चतुर्थ बटालियन आरएसी चैनपुरा (हाल सेवानिवृत) सुण्डा राम। राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा, सराहनीय सेवा पदक- लीडिंग फायरमैन नागरिक सुरक्षा आत्माराम, सैक्टर वार्डन नागरिक सुरक्षा युनुस खान।

पिस्टल मय प्रशंसा पत्र- उपमहानिरीक्षक एटीएस विकास कुमार, अति. पुलिस अधीक्षक एसओजी पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़, पुलिस निरीक्षक कनीज फातिमा, कानि. वीरमदेव।

योग्यता प्रमाण पत्र - प्रबंध निदेशक राजस्थान स्टेट सीड्स कॉर्पोरेशन लि. सुषमा अरोड़ा, सदस्य राजस्व मण्डल महावीर सिंह, वरिष्ठ आचार्य एण्डोक्रायनोलोजी, एसएमएस चिकित्सालय डॉ. संदीप कुमार माथुर, आचार्य ई.एन.टी. विभाग एसएमएस चिकित्सालय डॉ. पवन सिंघल, मुख्य लेखाधिकारी सामान्य प्रशासन विभाग निधि मेहता।

सार-समाचार

युवती को जलाकर मारने का प्रयास

श्रीगंगानगर, 27 जनवरी (नि.स.)। देवरानी-जेठानी के आपसी विवाद के चलते जेठानी को कथित रूप से जलाकर मारने के प्रयास का एक मामला सामने आया है। घटना में बुरी तरह जली जेठानी बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में उपचाराधीन है। उसके बयान के आधार पर पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। घटना सूरतगढ़ सदर थाना क्षेत्र में चक 1 डीबीएन की है। थानाप्रभारी कृष्णकुमार के अनुसार उपचाराधीन रानी पत्नी वकील खां निवासी चक 1 डीबीएन द्वारा दिये गये बयान के आधार पर उसकी देवरानी करम बरी पत्नी शौकीन मोहम्मद और उसके भाई सिकंदर उर्फ मंगी निवासी नाथांवाली पर यह मामला दर्ज किया गया है। यह घटना विगत 22 जनवरी की है। रानी के अनुसार करम बरी और सिकंदर ने उस पर मिट्टी का तेल डाल दिया तथा उसे आग लगा दी। उसका कमर से नीचे का हिस्सा जल गया। थानाधिकारी के अनुसार इस मामले की अब तक की गई जांच में मामला कुछ और ही सामने आया है। रानी-करम बरी में आपसी कोई विवाद चल रहा था। घटना वाले दिन रानी अपने एक पड़ोसी के घर मिट्टी का तेल माने के लिए गई थी, जहां उसे तेल नहीं मिला, तो वह एक अन्य पड़ोसी के घर से तेल ले आई थी। पड़ोसी को उसने बताया कि उसकी पालतू गाय के पेट में दर्द है। तेल से कोई दवा बनाकर उसे देनी है। उन्होंने बताया कि यह भी पता चला है कि रानी ने खुद ही आग लगाई है। अभी इस मामले की आगे जांच जारी है।

घर की गैलरी में खड़े दो मोटरसाइकिल चोरी

श्रीगंगानगर, 27 जनवरी (नि.स.)। अनूपगढ़ कस्बे में चोर एक मकान के बाहर की तरफ बनी गैलरी में खड़े किये हुए दो मोटरसाइकिल एक साथ चोरी कर ले गये। यह घटना वार्ड नं. 14 में रतनलाल पुत्र भैरूराम नायक के घर में गुरुवार-शुक्रवार की रात को हुई। पुलिस के अनुसार शुक्रवार सुबह रतनलाल का परिवार सोकर उठा तो बाहर की तरफ बनी गैलरी में खड़े किये हुए दोनों मोटरसाइकिल ही नहीं मिले। रात को उन्होंने गैलरी में हीरो स्प्लेंडर तथा बजाज प्लेटिना (आरजे 13एससी 1667) और (आरजे 07एसबी 9226) खड़े किये थे। गैलरी के बाहर की चारदिवारी के लगे गेट को खोलकर कोई शख्स यह दोनों मोटरसाइकिल ले गया। जांच कर रहे सब इंस्पेक्टर शिवनारायण ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसी कैमरों की फुटेज को चैक किया जा रहा है।

युवती ने खुदकुशी की

श्रीगंगानगर, 27 जनवरी (नि.स.)। जिले के रावला थाना क्षेत्र में एक युवती ने मानसिक परेशानी के चलते कीटनाशक दवा का सेवन कर खुदकुशी कर ली। पुलिस के अनुसार चक 11 डीओएल में विवाहित प्रियंका बिश्नोई ने विगत 21 जनवरी को किसी जहरीली दवा का सेवन कर लिया था। उसे गम्भीर हालत में बीकानेर के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां उसकी गत गुरुवार को मृत्यु हो गई। प्रियंका की शादी लगभग तीन वर्ष पहले सुखदेव बिश्नोई के साथ हुई थी। प्रियंका के पिता देवीलाल बिश्नोई चक 5 एसजेएम द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर मर्ग दर्ज की गई है। बताया गया है कि प्रियंका पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान रहती थी। पोस्टमार्टम करवाने के बाद उसका शव परिवार वालों को सौंप दिया गया। एसडीएम प्रियंका की मौत के कारणों की विस्तृत जांच कर रहे हैं। इस बीच घमूड़वाली थाना क्षेत्र के गांव मांझूवास की एक युवती सुमन पत्नी विनोद की आज दोपहर बेहोशी की हालत में श्रीगंगानगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पुलिस के अनुसार उसने भी किसी जहरीली दवा का सेवन किया हुआ है।

तलवार व चाकू सहित गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, 27 जनवरी (नि.स.)। जवाहरनगर पुलिस ने शनिवार को बापूनगर निवासी सन्नी उर्फ मंगी पुत्र सतपाल वाल्मीकि के कब्जे से एक तेजधार वाला चाकू बरामद किया। इससे पहले कल शाम को कोतवाली पुलिस ने बस अड्डे के पास अकबर पुत्र अजमद खां निवासी मोहरसिंह चौक, पुरानी आबादी को एक तेज धार वाली तलवार सहित काबू किया। इन पर आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज किये गये हैं।

विक्की गोंडर-प्रेम लाहौरिया के आतंक का खात्मा

पंजाब पुलिस ने श्रीगंगानगर जिले में एनकाउंटर कर विक्की गोंडर व प्रेम लाहौरिया सहित तीन बदमाशों को मार गिराया

श्रीगंगानगर, 27 जनवरी (नि.स.)। लगभग आठ वर्षों से लगातार आपराधिक वारदातें कर पंजाब व इसके साथ लगते हरियाणा व राजस्थान में आतंक का पर्याय बने हुए हरजिन्द्र सिंह उर्फ विक्की गोंडर तथा प्रेम उर्फ प्रेम लाहौरिया के आतंक का खात्मा हो गया है। इन दोनों सहित तीन बदमाशों को पंजाब पुलिस की 35 सदस्यीय पांच टीमों ने बेहद खुफिया तरीके से चलाये ऑप्रेशन के तहत शुक्रवार शाम को श्रीगंगानगर जिले में भारत-पाक सीमा पर स्थित कोठापक्की गांव पर स्थित एक ढाणी में शरण लिये हुए इन तीन बदमाशों को एनकाउंटर में मार गिराया। विक्की और प्रेम के साथ मारे गये तीसरे युवक की अभी शिनाख्त नहीं हुई है। इस मृतक के भी सुक्खा बुड्ढा होने की संभावना जताई जा रही है। विक्की और प्रेम लाहौरिया पर हत्या, हत्या के प्रयास, लूटपाट, छीनाझपटी आदि संगीन अपराधों के पंजाब में 10-10 मुकदमे हैं।इनके सम्बंध पाकिस्तान और हॉंगकॉंग में छिपे आतंकवादियों-ड्रग माफिया से थे। यह दोनों नवम्बर 2016 में चार अन्य खतरनाक अपराधियों के साथ पंजाब की नाभा जेल से फरार हो गये थे। यह एनकाउंटर शुक्रवार शाम लगभग 6 बजे हिन्दुमलकोट थाना क्षेत्र में कोठा पक्की गांव के नजदीक नहर से लगभग 500 मीटर दूर इकबाल सिंह की ढाणी में लखवीर सिह उर्फ लक्खा के घर में हुआ। पुलिस के अनुसार इस मकान में तीन-चार दिन से तीन संदिग्ध युवक रह रहे थे। पंजाब पुलिस के सीआईए और ऑर्गेनाइज क्राइम यूनिट (ओसीसीयू) ने गुप्त रूप से सूचनाएं जुटाईं, जिसके बाद इस ढाणी को घेर लिया गया। ढाणी में शरण लिये हुए इन तीनों युवकों को समर्पण कर देने की चेतावनी दी गई, जिसके जवाब में इन युवकों ने फायर करने शुरू कर दिये।

बीस मिनट चला एनकाउंटर : पंजाब पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। जानकारी के अनुसार लगभग 20 मिनट तक यह एनकाउंटर चला, जिसमें एक युवक ढाणी से बाहर दीवार फांदकर भागते हुए मारा गया। दूसरा युवक ढाणी के अंदर आंगन में ही ढेर हो गया। तीसरा युवक गोलियां लगने से गंभीर जख्मी हुआ, जिसे अबोहर सिविल अस्पताल ले जाया गया। देर रात को उसकी भी मौत हो गई। इस एनकाउंटर में पंजाब पुलिस का एक सब इंस्पेक्टर बलविन्द्र सिंह और एक एएसआई कृपाल सिंह जख्मी हो गये। इनके पेट व सीने में गोलियां लगी हैं। दोनों को देर रात अबोहर सिविल अस्पताल से फरीदकोट मेडिकल कॉलेज के लिए रैफर कर दिया गया। शुक्रवार सायं लगभग साढ़े 6 बजे यह एनकाउंटर होने की सूचना मिलने पर श्रीगंगानगर से पुलिस अधीक्षक हरेन्द्र महावर, अवर एसपी सुरेन्द्र सिंह राठौड़, डीएसपी दिनेश मीणा, कोतवाल नरेन्द्र पूनिया और हिन्दुमलकोट थानाप्रभारी भूपेन्द्र सिंह आदि अनेक पुलिस अधिकारी दलबल सहित घटनास्थल के लिए रवाना हो गये। राजस्थान और पंजाब पुलिस ने संयुक्त रूप से इकबाल सिंह ढाणी को चारों तरफ से घेर लिया। ढाणी में लखवीर सिंह के परिवार के सदस्य इस मुठभेड़ में पूर्ण रूप से सकुशल रहे। लक्खा का परिवार अपने घर के कमरों में छिप गया था।

बरामद हुए हथियार, मोबाइल फोन : पुलिस के मुताबिक देर रात को इस एनकाउंटर को लीड कर रहे पंजाब पुलिस के सब इंस्पेक्टर विक्रमजीतसिंह की रिपोर्ट के आधार पर इन बदमाशों पर हत्या का प्रयास करने, अवैध हथियार रखने और खतरनाक अपराधियों को शरण देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि इन अपराधियों को शरण देने वाले लखवीरसिंह उर्फ लक्खा को धारा 216 के तहत हिरासत में ले लिया गया है। देर रात को पंजाब पुलिस के आईपीएस गुरमीतसिंह चौहान, एआईजी संदीप गोयल, अबोहर व फाजिल्का के एसपी व एसएसपी ने घटनास्थल पर आकर जायजा लिया। दोनों राज्यों की पुलिस ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। पुलिस के अनुसार मौके पर से 32 बोर के दो पिस्टल, 30 बोर का एक पिस्टल, एक बंदूक तथा काफी मात्रा में कारतूस, मोबाइल फोन, इंटरनेट डॉंगल, फर्जी नम्बरों वाली वाहनों की प्लेटें तथा इन बदमाशों का एक वाहन जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार ढाणी के बाहर दीवार फांदते हुए मारे गये युवक की पहचान प्रेम लाहौरिया के रूप में हुई है। अंदर आंगन में मारे जाने वाला विक्की गोंडर है। अबोहर सिविल अस्पताल में दम तोड़ गये युवक की अभी पहचान नहीं हुई है, लेकिन उसके सुक्खा बुड्ढा होने की प्रबल सम्भावना है।

एनकाउंटर की मजिस्ट्रेट जांच : सुबह घटनास्थल पर श्रीगंगानगर और बीकानेर से एफएसएल की टीमें पहुंचीं। इन टीमों द्वारा मौके पर साक्ष्य जुटाने सम्बंधी कार्रवाई पूरी करने के बाद अपराह्न लगभग पौने 3 बजे

विक्की गोंडर और प्रेम लाहोरिया के शव कड़ी सुरक्षा में श्रीगंगानगर के जिला अस्पताल में लाये गये। इससे पहले अबोहर अस्पताल से तीसरे अज्ञात युवक की लाश भी पोस्टमार्टम के लिए यहां लाई गई। जिला अस्पताल में इन शवों को लाया जाने से पहले ही भारी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिये गये। विक्की गोंडर और प्रेम लाहौरिया के मारे जाने की सूचना शुक्रवार देर रात को उनके परिवार वालों को दे दी गई, जो आज दोपहर हिन्दुमलकोट थाना क्षेत्र में घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद वे यहां जिला अस्पताल में आ गये। परिवारजन-रिश्तेदार काफी गमजदा नजर आये। उन्होंने मीडिया वालों से कोई बातचीत नहीं की। अलबत्ता एक-दो जनों ने बताया कि विक्की गोंडर पिछले 10 वर्षों से गांव में आया ही नहीं है। विक्की पंजाब के मुक्तसर जिले के गांव सरावां बोदला का निवासी है। पता चला है कि घर वालों ने उसे काफी पहले ही बेदखल कर दिया था। विक्की और प्रेम लाहौरिया के शवों का तीन डॉक्टरों के मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया। पोस्टमार्टम कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी करवाई गई है। पोस्टमार्टम से पहले दोनों के शवों के एक्सरे करवाये गये। परिजनों-रिश्तेदारों को शवों का मुआयना करवाया गया। इस बीच इस एनकाउंटर की मजिस्ट्रेटी जांच भी आरम्भ हो गई है। यह जांच एसडीएम यशपाल आहूजा कर रहे हैं। शाम को पोस्टमार्टम की कार्रवाई के समय एसडीएम और तहसीलदार आदि प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। पुलिस ने बताया कि तीसरे युवक की शिनाख्त होने के बाद उसका पोस्टमार्टम करवाया जायेगा। शिनाख्त के लिए पंजाब पुलिस से सहयोग मांगा गया है। उधर, पंजाब पुलिस के महानिदेशक सुरेश अरोड़ा ने अपराह्न चंडीगढ़ में प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि अभी तक इस युवक की पहचान नहीं हुई है। सम्भवत: यह युवक अमृतसर जिले का निवासी है। दूसरी ओर सोशल मीडिया व अन्य खबरों में मरने वाला यह तीसरा युवक सुक्खा बुड्ढा बताया जा रहा है। यह सुक्खा भी विक्की गोंडर का बेहद करीबी बताया जाता है। पुलिस के मुताबिक विक्की गोंडर, प्रेम लाहौरिया और इस तीसरे युवक को अबोहर क्षेत्र के एक व्यक्ति ने लखवीर सिंह लक्खा के यहां तीन दिन पहले शरण दिलवाई थी। पुलिस अबोहर के इस व्यक्ति की भी अब तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार लखवीर सिंह लक्खा आईआईटी इंजीनियर है। उसकी ढाणी दो हिस्सों में है। अंदर के हिस्से में लक्खा अपने परिवार के साथ रहता है। बाहर की तरफ बने दो कमरों में यह तीनों बदमाश तीन दिन से ठहरे हुए थे।

महापौर की पहल पर स्वच्छ सर्वेक्षण 2018 के लिए स्वयंसेवी संगठन भी आए आगे

जयपुर, 23 जनवरी (एजेन्सी)। महापौर डॉ. अशोक लाहोटी और आयुक्त रवि जैन ने शनिवार को नगर निगम मुख्यालय में सभासद भवन में शहर के लगभग 100 स्वयंसेवी संगठनों के साथ बैठक की। बैठक में सभी स्वयंसेवी संगठनों ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2018 में स्वच्छता के बारे में लोगों को जागरुक करने में अपनी सहमति व्यक्त की। सभी स्वयंसेवी संगठनों ने एक स्वर में कहा कि हम सब जयपुर शहर को स्वच्छ सर्वेक्षण 2018 में नंबर 1 लाने के लिए घर-घर जाकर लोगों को स्वच्छता के बारे में जागरुक करने के लिए तैयार हैं। बैठक में सभी स्वयंसेवी संगठनों ने स्वच्छता के विषय में अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने अपनी योजना बताई कि वे किस तरह से पूरे शहर में लोगों को स्वच्छता के बारे में जागरुक कर सकते हैं। सभी स्वयंसेवी संगठनों ने अपने वॉलेंटियर्स के माध्यम से लोगों को स्वच्छता का संदेश देने की बात कही। इस दौरान उपायुक्त मती शिप्रा शर्मा, उपायुक्त शिखरचंद जैन, ओएसडी महापौर जनार्दन शर्मा भी उपस्थित थे।

राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्णय से क्रिकेट को मिलेगा बढ़ावा-रुचिर मोदी

जयपुर, 27 जनवरी (एजेन्सी)। अलवर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रुचिर मोदी ने माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के उस आदेष का स्वागत किया है, जिसमें अदालत ने एसएमएस स्टेडियम, जयपुर में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैचों के आयोजन को बहाल करने के निर्देष दिए हैं। आज यहां जारी एक बयान में मोदी ने अदालत के फैसले की सराहना की। उन्होंने कहा, ''मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और राजस्थान सरकार, दोनों को आईपीएल के संचालन में अपनी जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए गए हैं। बीसीसीआई के लिए अब यह आवष्यक हो गया है कि वह एसएमएस में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण करे और जरूरत होने पर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएषन (आरसीए) को उसमें सुधार या जरूरी बदलाव करने को कहे। इसी तरह, राज्य सरकार को आईपीएल श्रृंखला खत्म होने तक आरसीए के साथ एमओयू जारी रखने का निर्देष दिया गया है। मोदी ने कहा कि अदालत का निर्देष है कि आरसीए के अध्यक्ष और आरसीए के सचिव संयुक्त रूप से एसोसिएशन के खातों को संचालित करेंगे और धन का उपयोग केवल क्रिकेट से जुड़ी विकास गतिविधियों पर ही करेंगे और आरसीए के अध्यक्ष एवं सचिव द्वारा निलंबन रद्द करने के संबंध में बीसीसीआई के समक्ष हलफनामे पर संयुक्त हस्ताक्षर करेंगे, जिससे आरसीए पदानुक्रम के बीच समन्वय और सामंजस्य पैदा होगा। मोदी ने आगे कहा, ''यह पूरी तरह स्पष्ट होना चाहिए कि निर्वाचित पदाधिकारियों को बखास्त करने के लिए अनुचित और मनमाने ढंग से कार्य करने की कोई सलाह नहीं दी जाएगी। आर. एस. नंदू भी उसी तरह से निर्वाचित सचिव हैं, जैसे कि सी. पी. जोषी आरसीए के अध्यक्ष बने हैं।

विद्यालयों में हो हिन्दुस्तान स्काउट्स एण्ड -गाइड्स का पंजीकरण

जयपुर, 27 जनवरी (एजेन्सी)। राज्य सरकार के द्वारा हिन्दुस्तान स्काउट्स एण्ड -गाइड्स को 4630 विद्यालयों में स्काउटिंग की गतिविधियों के सचांलन करने के आदेश जारी किए गए हैं। जो विद्यालय भारत स्काउट एण्ड गाइड के द्वारा पंजीकृत नही है अथवा जो विद्यालय भारत स्काउट एण्ड गाइड से पंजीकृत है परन्तु उनमें स्काउटिंग की गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित नही हो रही है उन विद्यालयों में राज्य सरकार के द्वारा हिन्दुस्तान स्काउट्स एण्ड गाइड्स राजस्थान राज्य को नवम्बर 2015 में स्काउटिंग की गतिविधियों के संचालन हेतु मान्यता के आदेया जारी किए गए थे। परन्तु संस्था प्रधानों के द्वारा इस सम्बंध में लापरवाही बरती जा रही है और विद्यालयों मे स्काउटिंग की गतिविधियों का सचांलन नही किया जा रहा है। पुर्व में एक संगठन भारत स्काउट एण्ड गाइड ही राज्य में गतिविधियों का संचालन कर रहा है। परन्तु वर्तमान में हिन्दुस्तान स्काउट्स एण्ड गाइड्स भी समानान्तर प्राप्त है। दोनों संगठन से विद्यालय की पंजीकरण प्रणाली को स्पष्ट रूप देने एंव गतिविधियों को सक्रिय रूप से संचालन करने के लिए दिनांक 7.12.2017 को वरिष्ठ शासन सचिव शिक्षा विभाग जयपुर की अध्यक्षता में दोनों सगंठनों के अधिकारियों व शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों की मिटिंग का आयोजन किया गया। इस मिटिंग में सर्व सहमति से यह निर्णय लिया -या कि राज्य सरकार द्वारा निदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर के द्वारा उन विद्यालयों की सुची प्राप्त की गई थी जिन विद्यालयों में भारत स्काउट एण्ड गाइड की गतिविधियां संचालित नही थी। निदेशक माध्यमिक शिक्षा के द्वारा जिला शिक्षा अधिकारियों से ऐसे विद्यालयो की सुची प्राप्त कर राजस्थान सरकार को भिजवाई गई जिसके अनुसार 4630 ऐसे रामावि/राउमावि विद्यालय है जिनमें भारत स्काउट एण्ड गाइड की गतिविधियां संचालित नही थी, में हिन्दुस्तान स्काउट एण्ड गाइड संगठन को स्काउट एण्ड गाइड की -तिविधियों के संचालन के निर्देश प्रदान किए गए हैं। इन विद्यालयों में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड का कोई हस्तक्षेप नही होगा। इस विषय पर तत्काल कार्यवाही करते हुए विभाग के द्वारा जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश जारी किए गए है कि वह अति शीघ्र विद्यालयों को हिन्दुस्तान स्काउट एण्ड गाइड के द्वारा पंजीकृत करवाकर स्काउटिंग की गतिविधियो का सचांलन करवाए। परन्तु वर्तमान में भी भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स के द्वारा 4630 विद्यालयों में जाकर पंजीकरण किया जा रहा है और विद्यालयों से कोटामनी जमा की जा रही है।

स्मैक सहित एक युवक को गिरफ्तार

अनूपगढ़, 27 जनवरी (एजेन्सी)। स्थानीय पुलिस ने गश्त के दौरान कार्रवाई करते हुए एक युवक को स्मैक (चीटा) सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस थाना से मिली जानकारी के अनुसार आज शाम 5 बजे पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक स्मैक बेचने की फिराक में केंद्रीय बस स्टैंड के सामने खड़ा है। सूचना पर कार्यवाहक थानाधिकारी करनाराम, पुलिस सहायक उप निरीक्षक रूली चन्द, सूचना अधिकारी विजय कुमार, धूप सिह, देवीलाल, महिला कांस्टेबल मंजू तथा लोकेश सहित मौके पर पहुंचे जिस पर पुलिस को देख नशेड़ी युवक ने भागने का प्रयास किया, जिसे पुलिस ने दबोच लिया।

अपराध और आतंकवाद की घिनौनी गाथा

पंजाब के डीजीपी सुरेश अरोड़ा ने की प्रेस वार्ता

श्रीगंगानगर, 27 जनवरी (नि.स.)। श्रीगंगानगर जिले में भारत-पाक सीमा पर स्थित हिन्दुमलकोट थाना क्षेत्र के गांव कोठा पक्की के नजदीक एक ढाणी में शुक्रवार शाम को पंजाब पुलिस द्वारा एनकाउंटर पर मार गिराये गये कुख्यात अपराधी हरजिन्द्र सिंह उर्फ विक्की गोंडर तथा प्रेम उर्फ प्रेम लाहौरिया की अपराध और आतंकवाद की घिनौनी गाथा रही है। इनके साथ मारे गये तीसरे युवक की अभी पहचान नहीं हुई है, लेकिन उसके भी खतरनाक अपराधी होने की प्रबल संभावना व्यक्त की गई है। विक्की गोंडर और पंजाब के ही एक अन्य दुर्दांत अपराधी सुक्खा काहलो में आपसी गैंगवार लम्बे समय तक पंजाब पुलिस ही नहीं, बल्कि कानून व्यवस्था के लिए चुनौतिपूर्ण रही। विक्की गोंडर बेहद दुसाहसी अपराधी था, जिसने पंजाब पुलिस की हाइसिक्योरिटी के बावजूद सुक्खा काहलो को मौत के घाट उतार दिया था। तब विक्की गोंडर ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाया, जिसमें उसने डांस भी किया। इस वीडियो को उसने अपने फेसबुक प्रोफाइल पर अपलोड भी कर दिया। विक्की गोंडर और प्रेम लाहौरिया अपने फेसबुक पर लगातार इस तरह की अपने द्वारा अंजाम दी हुई वारदातों को बढ़ा-चढ़ाकर अपडेट करते थे। इसी सोशल मीडिया से वे पंजाब पुलिस को ही नहीं, बल्कि अन्य लोगों को चेतावनियां देकर आतंक फैलाते रहते थे। इन दोनों के खात्मे के साथ पंजाब पुलिस ही नहीं, बल्कि राजस्थान, हरियाणा व अन्य राज्यों की पुलिस ने भी चैन की सांस ली है, क्योंकि विक्की गोंडर का गैंग टारगेट किलिंग करने के लिए बेहद कुख्यात था। पंजाब के पुलिस महानिदेशक सुरेश अरोड़ा ने शनिवार अपराह्न चंडीगढ़ में प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि 35 पुलिसकर्मियों की पांच टीमों ने सावधानीपूर्वक, अत्यधिक तकनीकी और खुफिया आधारित ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इसके साथ ही वांछित गैंगस्टर और नाभा जेल-ब्रेक मास्टरमाइंड विक्की गोंडर का खेल खत्म हुआ। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई में गोंडर के सहयोगी प्रेम लाहौरिया और एक अज्ञात युवक भी मारा गया है। उन्होंने कहा कि पंजाब में हाई प्रोफ़ाइल टारगेट किलिंग के मामलों को तोड़ने में सफलता प्राप्त की है। मीडियाकर्मियों को ब्रीफिंग करते हुए डीजीपी सुरेश अरोड़ा ने मुख्यमंत्री कै. अमरिंदर सिंह को पुलिस की सफलता की सराहना के लिए धन्यवाद दिया। पंजाब में सक्रिय अन्य गिरोहों और गैंगस्टरों पर लगातार कार्रवाई

करने का आश्वासन दिया। उन्होंने खुलासा किया कि पंजाब में 17 ए श्रेणी और 21 बी श्रेणी के संगठित आपराधिक गिरोहों को जनवरी 2017 तक चिह्नित किया गया था, जो कि लगातार सक्रिय थे। हालांकि कुछ गिरोहों को गिरफ्तार भी किया गया है। ऑर्गेनाइज क्राइम यूनिट (ओसीसीयू) अब बी श्रेणी के 8 गैंगस्टरों और ए श्रेणी के 9 गिरोहों पर ध्यान केंद्रित किये हुए हैं। हिन्दुमलकोट क्षेत्र में कल शाम किये गये एनकाउंटर के लिए डीजीपी सुरेश अरोड़ा, डीजीपी (इंटेलिजेंस) दिनकर गुप्ता, आईजी (ओसीसीयू) नीलाभ किशोर के साथ टीमों का समन्वय कर रहे थे। उन्होंने बताया कि सबसे अधिक वांछित ए श्रेणी के गैंगस्टर हरजिंदर सिंह उर्फ विक्की गोंडर का खुफिया जानकारी के माध्यम से एक वर्ष से अधिक समय बाद पता चला था। अरोड़ा ने बताया कि घटनास्थल से 32 बोर के दो पिस्तौल और 0.30 बोर की पिस्तौल काफी मात्रा में कारतूस, मोबाइल फोन और डॉंगल के साथ-साथ सोशल मीडिया के माध्यम से संचार के लिए इस्तेमाल किए गए उपकरण गैंगस्टरों के कब्जे से बरामद किए गए हैं। लखवीर सिंह लक्खा की ढाणी से फर्जी नंबर प्लेट के साथ एक स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की गई है। डीजीपी सुरेश अरोड़ा ने बताया कि विक्की गोंडर पर पंजाब और राजस्थान पुलिस ने मिलकर 7 लाख रुपये का इनाम रखा हुआ था। सोशल मीडिया को आतंकवाद बनाने, आपराधिक गिरोहों और पुलिस अधिकारियों को धमकियां देने के लिए गोंडर का गिरोह सोशल मीडिया को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा था। यह गिरोह कई फेसबुक अकाउंट्स का उपयोग कर रहा था, जो खाड़ी देशों, साइप्रस और जर्मनी सहित विभिन्न देशों से संचालित होता था। श्री दिनकर ने खुलासा करते हुए बताया कि सबसे अधिक फेसबुक अकाउंट में 1 लाख से %यादा फॉलोवर्स थे। सामूहिक तौर पर गौंडर के चार-पांच लाख फेसबुक फॉलोवर्स थे। सोशल मीडिया पर अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए झूठे प्रचार भी किया जाता था, जिसमें गोंडर जैसे ऑनलाइन गैंगर्स फैल रहे थे।

घोषित अपराधी, हत्या, गैंगवार, जेल ब्रेक, जबरन वसूली, नशीली दवाओं की तस्करी, हथियार की तस्करी आदि 10 मामलों में लिप्त विक्की गोंडर के आतंकवादी, कट्टरपंथी तत्वों के साथ संभावित संबंधों के साथ-साथ उसके पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई से भी उसके सम्बंध होने की जांच हो रही थी। हाल ही में, वह अपने करीबी सहयोगी और हेन्डलर, रमनजीत सिंह उर्फ रोमी (हांगकांग) के माध्यम से पाकिस्तान से एक स्वचालित राइफल हासिल की थी। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी हुआ था। विक्की गोंडर ने अपनी एक फोटो फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट कर यह भ्रमित प्रचार किया था कि वह विदेश भाग गया है। पुलिस ने बताया कि रोमी की संदिग्ध भूमिका 2016 व 2017 में लुधियाना और जालंधर हुई टारगेट किलिंग में रही है, जिसकी अभी तक जांच चल रही है। पंजाब पुलिस के इन अधिकारियों ने बताया कि 21 जनवरी, 2015 को पुलिस हिरासत में सुखा काहलो को मारने के बाद विक्की गोंडर ने एक वीडियो बनाया और एस्कॉर्ट पार्टी में पुलिसकर्मी को बेशर्मी से बताया कि 'मैं विक्की गोंडर हूं और मैंने सुखा काहलो को मार डाला है।' इस वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसके बाद उसे दिसंबर 2015 में तरन तारन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे हाई सिक्योरिटी वाली नाभा जेल में उसे भेज दिया गया था, जहां से विक्की, प्रेम लाहौरिया और चार अन्य खतरनाक अपराधी नवम्बर 2016 में फरार हो गये थे। फरार हुए इन छह जनों में से चार पकड़े जा चुके हैं। गोंडर और प्रेम लाहौरिया ही बाकी बचे थे, जो कल शाम के एनकाउंटर में मारे गये। प्रेम सिंह उर्फ प्रेमा लाहौरिया, ए श्रेणी का गैंगस्टर था। उस पर दो लाख का ईनाम था। वह एक आदतन अपराधी था, जो हत्या, गैंगवार, जेल ब्रेक, जबरन वसूली, नशीली दवाओं की तस्करी, हथियार तस्करी आदि के 10 मामलों में वांछित था। डीजीपी ने बताया कि दिनकर गुप्ता के मार्गदर्शन में खुफिया विभाग के संगठित अपराध नियंत्रण इकाई (ओसीसीयू) ने क्षेत्रीय संरचनाओं से इन दोनों गुंडों की गतिविधियों के बारे में जानकारी एकत्रित की। पिछले हफ्ते, ओसीसीयू को जानकारी मिली कि इन दो बदमाशों को फजिल्का, फिरोजपुर और तरनतारन के सीमावर्ती जिलों में देखा गया था। विगत 24 जनवरी को ओसीसीयू ने सीमावर्ती पांच जिलों के लिए अलर्ट जारी किया था कि अपराधिक गिरोह कोई वारदात कर सकते हैं। इन जिलों में गैंगस्टरों की संभावित आवाजाही को देखते हुए वहां अतिरिक्त बल भेजे गए थे। एआईजी गुरमीत सिंह चौहान और इंस्पेक्टर विक्रम बराड़ की कमान के तहत ओसीसीयू की एक टीम जिला फाजिलका, पुलिस स्टेशन सरवर खुइयां के क्षेत्र में इन बदमाशों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी।

कारोबार समाचार

आम आदमी की पहुंच में होगी हवाई सेवा, हवाई रुट्स का होगा विस्तार

नई दिल्ली। देश के मध्यम और निचले तबके के लोगों को हवाई सेवा उपलब्ध करवाने के लिए सरकार ने एयरलाइंस और हेलिकॉप्टर परिचालन करने वाली कंपनियों को 325 हवाई रूट्स बांट दिये गये हैं।उड़े देश का आम आदमी (इ्रढ) के दूसरे चरण के तहत करगिल और फ्रंटियर लद्दाख क्षेत्र सहित दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में 73 नए हवाई अड्डों और हेलिपैड के लिए हवाई संपर्क का विस्तार किया जा सकेगा। 1 एयरलाइन कंपनियों को 67 प्रस्तावों के अधिकार-नागर विमानन मंत्रालय के एक अधिकारी का कहना है कि उड़ान योजना के दूसरे चरण में 11 एयरलाइन कंपनियों को 67 प्रस्तावों के अधिकार दिए गए हैं।हेलिकॉप्टर से उड़ान सेवा देने वाली चार कंपनियों को 23 प्रस्ताव आवंटित किये गये हैं। देश की प्रमुख घरेलू एयरलाइन कंपनियों को 20 प्रस्ताव हासिल हुए हैं। वहीं स्पाइसजेट को 17 और जेट एयरवेज को चार प्रस्ताव मिले हैं।उड़ान योजना के दूसरे फेस में 43 हवाई अड्डों और हेलिपैड को प्राथमिकता क्षेत्र में जोड़ा जाएगा। इनमें पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्य भी शामिल हैं।सरकार परियोजना को व्यावहारिक बनाने के लिए एयरलाइंस और हेलिकॉप्टर कंपनियों को 620 करोड़ रुपये की सब्सिडी देगी। योजना के पहले दौर में मार्च 2017 के दौरान पांच एयरलाइन कंपनियों को कुल 128 हवाई रूट बांटे गए थे।

सोना 14 माह की ऊंचाई पर, चांदी 41 हजार रुपये के पार

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक संकेतों तथा स्थानीय मांग में तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 350 रुपये चढ़कर 14 महीने के उच्चतम स्तर 31,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। औद्योगिक इकाइयों तथा सिक्का निर्माताओं की बढ़ी मांग से चांदी भी 1,100 रुपये की छलांग लगाकर 41 हजार रुपये प्रति किलो के स्तर को पार कर गई। स्थानीय बाजार में 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 350 रुपये की मजबूती के साथ क्रमश: 31,450 रुपये और 31,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए। यह 9 नवंबर 2016 के बाद का उच्चतम स्तर है। हालांकि, आठ ग्राम वाली गिन्नी 24,800 रुपये प्रति इकाई पर टिकी रही। चांदी तैयार 1,100 रुपये चमककर 41 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तथा चांदी साप्ताहिक डिलीवरी 1,190 रुपये मजबूत होकर 40,130 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही। हालांकि, चांदी के सिक्के पुराने स्तर पर ही टिके रहे। सिक्का लिवाल 74 हजार रुपये और सिक्का बिकवाल 75 हजार रुपये प्रति सैकड़ा रहे।

डॉलर के टूटने से भी चमका सोना: बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि मजबूत वैश्विक संकेतों से सोना मजबूत हुआ है। डॉलर के करीब तीन साल के निचले स्तर पर आ जाने से इसकी मांग बढ़ी। जब डॉलर की कीमत घटती है तो अन्य मुद्राओं में सोने का आयात सस्ता हो जाता है जिससे सोने की मांग बढ़ जाती है। वहीं स्थानीय आभूषण निर्माताओं की मांग बढ़ने से भी सोने की कीमतों में तेजी को समर्थन मिला। वैश्विक स्तर पर सिंगापुर में सोना 0.43 प्रतिशत बढ़कर करीब 14 महीने के उच्चतम स्तर 1,363.60 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। चांदी भी 0.29 प्रतिशत चमककर 17.58 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

ईमानदार लोगों को आसानी से मिलेगा कर्ज

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए खजाना खोलने के साथ-साथ सरकार ईमानदारी से किस्त चुकाने वालों को सहूलियत देने की तैयारी भी कर रही है। वित्तीय सेवा सचिव राजीव कुमार का कहना है कि मौजूदा सुधारों के बाद ईमानदार कर्जदारों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से कर्ज लेना आसान होगा।सरकार ने इसी सप्ताह बैंकिंग क्षेत्र में कई सुधारों की घोषणा की। इसके मुताबिक, सार्वजनिक क्षेत्र के 20 बैंकों में 31 मार्च से पहले 88,139 करोड़ रुपये की पूंजी डाली जाएगी। इससे उधारी को बल मिलेगा। सुधारों की घोषणा करते हुए वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा था कि बड़े कर्ज देने के लिए सख्त नियम तय किए गए हैं। बड़े लोन डिफॉल्टरों पर कड़ी निगरानी रहेगी। 250 करोड़ रुपये से ज्यादा के कर्ज के मामले में किसी भी नियम के उल्लंघन की रिपोर्ट देना भी अनिवार्य किया गया है।वित्तीय सेवा सचिव ने कहा, सरकार द्वारा घोषित इस सुधार प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य कर्जदारों की ईमानदारी को पुरस्कृत करना और सही कर्जदारों की जरूरत के लिए कर्ज की व्यवस्था को आसान व बाधारहित बनाना है। कुमार ने कहा कि विभिन्न तकनीकी उपायों के अलावा जीएसटी रिटर्न से भी बैंकों को नकदी प्रवाह की काफी जानकारी मिल सकेगी। इस आधार पर भी बैंक ऋण मंजूरी के बारे में फैसला कर सकते हैं। उक्त कदमों के तहत सूक्ष्म, लघु व मझोले उद्यमों (एमएसएमई), वित्तीय समावेशन और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सरकार की ओर से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 88,139 करोड़ रुपये की पूंजी डालने की घोषणा के बाद उनकी रेटिंग में सुधार आया है। अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी फिसिल ने सार्वजनिक क्षेत्र के 18 बैंकों की रेटिंग को नकारात्मक से स्थिर किया है। एजेंसी का कहना है कि पुनर्पूंजीकरण से बैंकों में पूंजी प्रवाह तो बढ़ेगा ही, उनकी बैलेंस शीट में भी सुधार होगा।

रीयल्टी-ऑटो शेयरों में बिकवाली से सेंसेक्स 111 अंक टूटा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में छह दिन से जारी तेजी के सिलसिले पर ब्रेक लग गया। रीयल्टी और ऑटो शेयरों में बिकवाली से बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाते हुए 111 अंक टूटकर रिकॉर्ड स्तर से फिसलकर 36,050 अंक पर आ गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 16 अंक घटकर रिकॉर्ड स्तर से नीचे 11,070 अंक पर बंद हुआ।

छोटे शेयर भी ध्वाम: बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी गिरावट रही। बीएसई का मिडकैप सूचकांक 135 अंकों की गिरावट के साथ 17,841 पर और स्मॉलकैप सूचकांक 133 अंकों की गिरावट के साथ 19,342 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी ने दिनभर के कारोबार में 11,096 के ऊपरी और 11,009 अंक के निचले स्तर को छुआ।

रीयल्टी में सबसे अधिक नुकसान: बीएसई के 19 में से दो सेक्टरों में तेजी दर्ज की गई। धातु 0.84 फीसदी और पूंजीगत वस्तुएं 0.38 फीसदी तेजी पर बंद हुए। जबकि रीयल्टी शेयरों में सबसे अधिक 1.52 फीसदी का नुकसान हुआ। बीएसई के गिरावट वाले अन्य प्रमुख शेयरों में ऑटो 1.18 फीसदी, प्रौद्योगिकी 1.13 फीसदी, सूचना प्रौद्योगिकी 1.13 फीसदी और बिजली 1.12 फीसदी शामिल हैं।

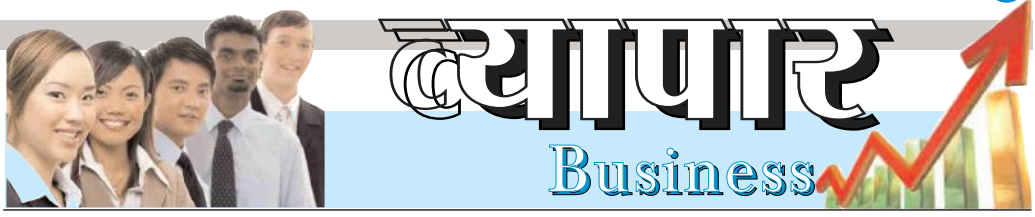

बजट 2018- जानिए बजट में कौन से 11 दस्तावेज होते हैं शामिल

नई दिल्ली। शनिवार को हल्वा रस्म की अदायगी के साथ ही बजट पेपर की छपाई शुरू हो चुकी है। आम तौर पर बजट शब्द जहन में आते ही लोग यह मान लेते हैं कि यह आंकड़ों और योजनाओं का एक दस्तावेज भर होता होगा, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है इसमें काफी कुछ शामिल होता है। बजट में सरकार की बीते वर्ष की योजनाओं के विश्लेषण के साथ-साथ भविष्य की योजनाओं का एक रोडमैप भी होता है। HVV की बिजनेस टीम आपको यही बताने की कोशिश करेगी कि एक बजट में आखिर क्या कुछ शामिल होता है।

बजट में कुल 11 दस्तावेज शामिल होते हैं, जानिए इन सभी के बारे में -

वार्षिक वित्तीय विवरण= संसद के दोनों सदनों के समक्ष भारत सरकार एक वित्त वर्ष की अनुमानित प्राप्तियों और व्यय का विवरण पेश करती है, जिसे वार्षिक वित्तीय विवरण कहा जाता है। संविधान के अनुच्छेद 112 में इसका उल्लेख है।

डिमांड ऑन ग्रांट= इसमें संचित निधि से निकाले जाने वाले खर्चों (वार्षिक वित्तीय विवरण में शामिल) का अनुमान दर्ज होता है। यह एक तरह का फॉर्म होता है, जिसे अनुच्छेद 113 के तहत जमा किया जाता है। लोकसभा में इस पर मतदान जरूरी है।

विनियोग विधेयक= लोकसभा से मंजूर की गई व्यय मांगों और संचित निधि में से किए जाने वाले खर्चों को एकत्रित करके एक विधेयक बनाया जाता है, जिसे विनियोग विधेयक कहा जाता है। इसे भी लोकसभा में पेश किया जाता है।

फाइनेंस बिल= केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित किए गए नए करों का विवरण होता है, जिसमे मौजूदा करों में कुछ संशोधन भी शामिल होता है।

वित्त विधेयक में प्रावधान की व्याख्या का ज्ञापन= यह वित्त विधेयक में निहित कराधान प्रस्तावों को समझाने का एक व्याख्यात्म दस्तावेज है। साथ ही इसमें प्रावधानों और उसके प्रभावों का भी उल्लेख होता है।

एक्सपेंडीचर बजट वॉल्यूम-1= एक्सपेंडीचर बजट वाल्यूम-1 के अंतर्गत राजस्व और मूल अदायगी शामिल होता है, जो कि योजनागत और गैर-योजनागत अनुमानों के बारे में बताता है।

एक्सपेंडीचर बजट वॉल्यूम-2= व्यय अनुदान मांगों में प्रस्तावित अंतर्निहित उद्देश्य को समझाने वाला यह एक दस्तावेज होता है, जिसमें प्रमुख कार्यक्रमों पर व्यय के विभिन्न मदों का एक संक्षिप्त विवरण, बदलाव के कारणों के साथ मांगों में एक साथ शामिल पिछले वर्ष के लिए बजट अनुमान और संशोधित अनुमानों के बीच का अंतर और चालू वित्त वर्ष के अनुमान का उल्लेख किया जाता है।

रिसीप्ट्स बजट= वार्षिक वित्तीय विवरण में शामिल प्राप्तियों का अनुमान एक बार फिर से रिसीप्ट बजट में समझाया और विश्लेषित किया जाता है। सालभर के भीतर की राजस्व और पूंजीगत प्राप्तियों का ट्रेंड और बाहरी सहायता का पूरा ब्यौरा इसमे शामिल होता है।

मुंबई में आयोजित ऑस्ट्रेलिया टूरिज्म प्रमोशनल इवेंट के मौके पर पहुंचीं अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा।

Whatsapp भारत में इसी हफ्ते पेश करेगा ये एप, जानें क्या होंगे फीचर

नई दिल्ली। इंस्टेंट मैसेजिंग एप व्हाट्सएप ने हाल ही में अपना whatsapp business app लॉन्च किया था। नई जानकारी के मुताबिक अब इस एप को आधिकारिक तौर पर भारत और ब्राजील बाजार में पेश किया जाएगा। कंपनी ने अपने ब्लॉग पर पोस्ट करते हुए बताया कि भारत और ब्राजील देशों के लिए जल्द ही एक नई सर्विस का अपडेट दिया जाएगा। हालांकि इसमें साफ नहीं कहा है कि यह बिजनेस एप की बात की जा रही है या किसी अन्य की। टेक जगत के मुताबिक, इस हफ्ते व्हाट्सएप आधिकारिक तौर पर whatsapp business app को लॉन्च कर सकता है। व्हाट्सएप बिजनेस एप उपलब्ध होने के साथ ही छोटी कंपनियां अपने व्हाट्सएप बिजनेस प्रोफाइल पर बिजनेस डीटेल, ईमेल, एड्रेस और वेबसाइट जैसी जानकारियों को सेट कर सकते हैं। व्हाट्सएप का कहना है कि जब लोग किसी बिजनेस करने वाले से बात कर रहे हैं, तो उन्हें पता होगा, क्योंकि इन अकाउंट को %बिजनेस अकाउंट्स% के रूप में लिस्ट किया जाएगा। कुछ समय बाद इन अकाउंट को फोन नंबर के साथ वेरिफाई कर 'Confirmed Account' बना दिया जाएगा।

रामदेव के लिए मुश्किल बने पुराने साथी, पतंजलि नाम से बेच रहे प्रॉडक्ट्स

नई दिल्ली। बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड ने एक योग गुरू की कंपनी को पतंजलि के ट्रेडमार्क का कथित तौर पर उल्लंघन करने के लिए कोर्ट में खींचा है। पतंजलि का कहना है कि महर्षि पतंजलि परिवार की यूनिट कल्पामृत आयुर्वेद लिमिटेड एलो वेरा जूस, शैम्पू, टूथपेस्ट और अन्य स्वस्थ्त प्रॉडक्ट्स को ऐसी पैकेजिंग के साथ बेच रही है जो पतंजलि के प्रॉडक्ट्स के जैसी है।कल्पामृत आयुर्वेद योग गुरू स्वामी करमवीर की अगुआई में चलती है। स्वामी करमवीर रामदेव के पुराने पार्टनर हैं। रामदेव, करमवीर और आचार्य बालकृष्ण ने साथ मिलकर दिव्य योग ट्रस्ट (अब पतंजलि योगपीठ) की स्थापना की थी। पतंजलि का आरोप है कि कल्पामृत पतंजलि के प्रॉडक्ट्स की पैकिंग की नकल कर प्रॉडक्ट्स बेच रहा है और इससे पतंजलि की साख खराब हो रही है। पतंजलि ने कोर्ट में कल्पामृत पर हरे और केसरिया लोगो का भी अपने ब्रैंड के साथ इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। पतंजलि का कहना है कि यह लोगो उसके लोगो के जैसा दिखता है। पतंजलि ने कंपनी के लिए महर्षि पतंजलि परिवार के नाम का इस्तेमाल करने पर भी आपत्ति जताई है। इस मामले पर अगली सुनवाई 7 मई को होगी। इस बारे में पतंजलि के प्रवक्ता एस के तिजारावाला ने बताया, %हमारी शुरुआत 2006 में हुई थी और स्वामी करमवीर की फर्म 2015-16 में शुरू हुई है।% उन्होंने कहा कि कोर्ट ने मंगलवार को कल्पामृत पर महर्षि पतंजलि परिवार के नाम के साथ ही हरे और केसरिया लोगो का इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी। तिजारावाला के अनुसार, %कल्पामृत अपने प्रॉडक्ट्स की पैकेजिंग पर महर्षि पतंजलि परिवार का इस्तेमाल कर रही है और वे हमारी नकल कर रहे हैं। स्वामी जी (रामदेव) ने पतंजलि का नाम 25 वर्ष पहले रजिस्टर्ड कराया था।% पिछले कुछ सालों में रामदेव की पतंजलि ने मार्केट की स्थिति को पूरी तरह बदल दिया है। 2016-17 में कंपनी का रेवन्यू 10,500 करोड़ रुपये था। हालांकि, कल्पामृत के प्रवक्ता का कहना है उन्हें फर्म के खिलाफ अदालती मामला दाखिल होने की कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया, %हमें कोर्ट से कोई नोटिस नहीं मिला है और हमारे पास इसे लेकर कोई जानकारी नहीं है। इस वजह से हम कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। कल्पामृत की वेबसाइट के अनुसार, स्वामी करमवीर, बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने अपनी यात्रा की शुरुआत 1990-91 में की थी और हरिद्वार में दिव्य योग ट्रस्ट की स्थापना की थी। वेबसाइट पर बताया गया है कि कल्पामृत आयुर्वेद प्राइवेट लिमिटेड जाने माने योग गुरू और आयुर्वेद के विशेषज्ञ स्वामी करमवीर के मार्गदर्शन में काम करता है।

बैंकों का फंसा कर्ज मार्च तक होगा 9.5 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। भारतीय बैंकों का फंसा हुआ कर्ज (गैर निष्पादित परिसंपत्तियां या एनपीए) मार्च तक बढ़कर 9.5 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी, जोकि पिछले साल मार्च में 8 लाख करोड़ रुपये थी. एसोचैम-क्रिसिल के एक संयुक्त अध्ययन में यह जानकारी दी गई है. %एआरसीज हेडेड फॉर ए स्ट्रकचरल शिफ्ट% शीर्षक रिपोर्ट में कहा गया कि साल 2018 के मार्च तक तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के बढ़कर 11.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाने की उम्मीद है. एसोचैम ने एक बयान में अध्ययन के हवाले से कहा, बैंकिंग प्रणाली में तनावग्रस्त परिसंपत्तियों का बढ़ता स्तर एसेट रिकंस्ट्रकशन कंपनियों (एआरसीज) को भारी अवसर प्रदान करता है, जोकि फंसे हुए कर्ज (एनपीए) के समाधान की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण हितधारक हैं।इसमें, हालांकि यह कहा गया है कि पूंजी की कमी के कारण एआरसीज के विकास में काफी गिरावट आनेवाली है. रिपोर्ट में कहा गया, हालांकि 2019 के जून तक एआरसीज की विकास दर गिरकर 12 फीसदी के पास रहने की संभावना है, हालांकि एयूएम (प्रबंधन के अधीन संपत्ति) बढ़कर 1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जोकि बहुत बड़ा आकार है.इस अध्ययन में कहा गया कि बैंकों को तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के लिए किए गए प्रावधानों के ऊपर और अधिक प्रावधान किए जाने की उम्मीद है. वे उन परिसंपत्तियों को कम छूट पर बेच सकते हैं. इस प्रकार पूंजी की आवश्यकता बढ़ रही है. अध्ययन में यह भी कहा गया कि दिवाला और दिवालियापन संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन से लंबे समय तक मुकदमेबाजी से बचा जा सकेगा ।

क्राफ्ट एप्लायंसेज ने लॉन्च किया 1320 वॉट्स का स्टीम आयरन- 'सेनोरा'

फुल वाटर टैंक कैपिसिटी पर 12 मिनट तक निरंतर आयरन

. झंझटमुक्त इस्तेमाल के लिये उन्नत सुरक्षा खूबियां

नई दिल्ली। घरेलू उपकरणों में अग्रणी क्राफ्ट ने नवाचारों के माध्यम से बाजार का नेतृत्व करने की अपनी प्रतिष्ठा को बरकरार रखते हुये अपनी उत्पादों की श्रृंखला का विस्तार किया है। क्राफ्ट ने अपने नवीनतम स्टीम आयरन 'सेनोरा' की पेशकश की है। यह नया आयरन पेडवांस्ड एंटी कैल्सियम सिस्टम के साथ लंबे समय तक टिकने वाला स्टीम परफॉर्मेंस प्रदान करता है। इसके परिणामस्वरूप कैल्सियम क्रिस्टिलाइजेशन कम होता है और परिचालन के समय यह स्टीम होल को अवरूद्ध होने से बचाता है। एक खोजपरक, आकर्षक एवं एर्गोनोमिक डिजाइन वाले क्राफ्ट सेनोरा को इस्तेमाल एवं साफकरना आसान है। इसकी स्टीम सर्कुलेटिंग सोलप्लेट भाप के एकसमान वितरण में सक्षम बनाता है, कपड़ों को नरम बनाता है और सिकुड़न को खत्म कर बेहतरीन आयरन प्रदान करता है। इस तरह एक शानदार फिनिश प्राप्त होती है। पारंपरिक आयरनों की तुलना में कव्र्ड सोल प्लेट आपको कपड़ों को अच्छे से आयरन करने में सक्षम बनाती है। इस तरह आप आसानी से, जल्दी-जल्दी और बिना किसी झंझट के आयरन कर सकते हैं। यह आयरन हाइ एवं लो टच अप्स के साथ व्यवस्थित करने योग्य स्टीम को सपोर्ट करता है। साथ ही इसका स्प्रे मिस्ट आपको अपनी जरूरत के अनुसार अतिरिक्त नमी प्रदान करने में सक्षम बनाता है। इसमें बेहतर इस्तेमाल के लिये एक सी-थ्रू वाटर टैंक की पेशकश की गई है। इस स्टीम आयरन को सहूलियत के लिये खूबसूरती से डिजाइन किया गया है। इस्तेमाल के समय तारों को उलझने से रोकने के लिये इसकी पेशकश चौतरफा स्विवेल कॉर्ड के साथ की गई है। स्टीम आयरन में एक एलईडी इंडिकेटर भी दिया गया है, जो पावर को ऑन या ऑफ करना आसान बनाता है। विभिन्न उन्नत खूबियों से युक्त यह स्टीम आयरन ओवरहीटिंग होने पर बंद हो जाता है। साथ ही फैब्रिक टेम्पेरेचर को नियंत्रित करने के लिये इसकी पेशकश एक हाइ एक्यूरेसी थर्मोस्टेट डायल के साथ भी की गई है।

रिलायंस जियो इन्फोकॉम दिसंबर तिमाही में फीचरफोन शिपमेंट में नंबर वन पोजिशन पर पहुंच गया। इस सेगमेंट में जियो ने मार्केट लीडर सैमसंग को पीछे छोड़ा।

फीचर फोन मार्केट में सैमसंग को पीछे छोड़ जियो बना नंबर वन

नई दिल्ली। रिलायंस जियो इन्फोकॉम दिसंबर तिमाही में फीचरफोन शिपमेंट में नंबर वन पोजिशन पर पहुंच गया। इस सेगमेंट में जियो ने मार्केट लीडर सैमसंग को पीछे छोड़ा। काउंटरपॉइंट रिसर्च के मुताबिक, पिछले साल के आखिरी महीने में जियोफोन की बिक्री में भारी बढ़ोतरी हुई। इकनॉमिक टाइम्स के पास उपलब्ध एक्सक्लूसिव जानकारी के अनुसार, जियो 4ज वॉइस ओवर (ढ्ढरूश्वश्च) को सपोर्ट करने वाला पहला फीचर फोन है। कंपनी बहुत कम दाम पर यह फोन दे रही है, जिसे वह तीन साल के बाद फोन लौटाने पर रिफंड कर देगी। जियो के 27 प्रतिशत के मार्केट शेयर में आमतौर पर 2,000 रुपये से कम के हैंडसेट शामिल हैं। हॉन्ग कॉन्ग की रिसर्च फर्म ने बताया कि सैमसंग 17 पर्सेंट मार्केट शेयर के साथ दूसरी और माइक्रोमैक्स तीसरी पोजिशन पर है। इनके बाद चीन की आईटेल और नोकिया का नंबर है। पिछले साल जियो फोन की भारी बिक्री के चलते फीचरफोन मार्केट भी दिसंबर तिमाही में 43 प्रतिशत बढ़ाकर 5 करोड़ यूनिट तक पहुंच गया था। उस तिमाही में फीचरफोन की बिक्री में 51 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। तब इसमें तिमाही आधार पर 32 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। इसकी तुलना में इंडस्ट्री की शिपमेंट में 10-12 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 5-7 पर्सेंट की बढ़ोतरी हुई। काउंटरपॉइंट के असोसिएट डायरेक्टर तरुण पाठक ने कहा, %दिसंबर तिमाही में जियो के हैंडसेट खरीदने में ग्राहकों की दिलचस्पी काफी बढ़ी थी क्योंकि उसका फोन सेगमेंट लीडर की तुलना में कई मायनों में बेहतर था।% उन्होंने कहा कि पहले यूजर्स फीचरफोन से सिर्फ कॉल कर सकते थे, लेकिन जियोफोन से कॉल के साथ ही डेटा का भी यूज किया जा सकता है। ग्राहकों के जियो की तरफ आकर्षित होने की यह सबसे बड़ी वजह थी। कंपनी ने हाल ही में कहा था कि वह अगले महीने जियोफोन को री-लॉन्च करके इसकी बिक्री बढ़ाना चाहती है। कंपनी री-लॉन्च में बैटरी सप्लाई और चिपसेट की कमियों को भी दूर करना चाहती है, जिससे शुरुआत में इसकी बिक्री प्रभावित हुई थी। जियो ने पिछले साल अगस्त के आखिर में जियोफोन की बिक्री शुरू की थी। पहले फेज में उसने ऐसे 60 लाख हैंडसेट बेचे थे। तब मांग बहुत अधिक होने की वजह से कंपनी ने जल्द ही बुकिंग बंद कर दी थी। उसके बाद इसे नवंबर में दोबारा शुरू किया गया था। इस मामले से वाकिफ लोगों ने बताया कि रिलायंस रिटेल ने अक्टूबर-दिसंबर के दौरान 1.5 करोड़ जियो फोन की बिक्री की। इनमें से ज्यादातर बिक्री बाद के महीनों में हुई। रिलायंस रिटेल और रिलायंस जियो ने फ्यूचर शिपमेंट्स, सेल्स और टैरिफ प्लान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। सैमसंग ने भी बदली हुई रैंकिंग पर टिप्पणी नहीं की। रिलायंस जियो के स्ट्रैटजी हेड अंशुमान ठाकुर ने कहा कि हम सप्लाई संबंधित कुछ परेशानियों का सामना कर रहे थे, जिन्हें दूर कर दिया गया है। अब आप इस तरह के अधिक फोन देखेंगे।

दैनिक भोर

संपादकीय

एक कदम स्वच्छ राजनीति की ओर

भले ही भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, लेकिन जब राजनीतिक दलों के नियमन और राजनीतिक दलों के चंदे तथा चुनावी खर्चे में पारदर्शिता की बात आती है तो यह अन्य लोकतांत्रिक देशों से कहीं पीछे खड़ा नजर आता है। परिणामस्वरूप एक तरफ जहां हम देश में ग्राम से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक लोकतंत्र को फलते-फूलते देखते हैं वहीं दूसरी तरफ राजनीतिक पार्टियों और चुनावी प्रणाली में कालेधन के चलन तथा उसके दुष्प्रभावों को भी देख सकते हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) ने अनुमान लगाया था कि पार्टियों को मिलने वाला 70 प्रतिशत चंदा नकदी और बेनामी होता है। अर्थात उसका स्रोत अज्ञात होता है। 1974 तक चुनाव आयोग द्वारा बड़े राज्यों में लोकसभा क्षेत्र में चुनावी अभियान के लिए खर्च की सीमा 1.5 लाख रुपये तय की गई थी, बाद में यह सीमा बढ़कर 4.5 लाख रुपये हो गई। हालांकि विश्लेषक मानते थे कि सभी प्रमुख उम्मीदवार अपने चुनावी अभियान पर 20 लाख रुपये तक खर्च करते थे। वर्तमान में बड़े राज्यों में लोकसभा क्षेत्र में इस खर्च की वैध सीमा 70 लाख रुपये है। माना जाता है कि इतने पैसे में कोई उम्मीदवार कहीं अच्छी तरह से अपना चुनावी अभियान चला सकता है, लेकिन सफल सांसद बताते हैं कि उनका चुनावी खर्च पांच से दस करोड़ रुपये आता है। दूसरे शब्दों में कहें तो चुनावी खर्च आज नियंत्रण से बाहर हो गया है। इस तरह आज चुनाव लड़ना सामान्य जन के बस की बात नहीं रह गई है। यह कहना गलत नहीं होगा कि जब तक चुनावी चंदे में पारदर्शिता नहीं आएगी और राजनीतिक पार्टियां साफ-सुथरे उम्मीदवारों का चयन कर उन्हें वित्तीय मदद मुहैया नहीं कराएंगी तब तक पूरी व्यवस्था भ्रष्ट तत्वों के हाथों की कठपुतली बनी रहेगा और सुशासन एक सपना बना रहेगा।1राजनीतिक दलों के कामकाज और चंदे में पारदर्शिता और जवाबदेही के अभाव पर न्यायपालिका सहित विभिन्न संस्थाओं ने टिप्पणी की है, लेकिन किसी ने भी इन मुद्दों पर विचार नहीं किया है और सुधार के उपाय नहीं सुझाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुछ समय से चुनाव सुधार पर बल दे रहे हैं कि कैसे चुनावी खर्च को कम किया जाए। इसके लिए उन्होंने लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने का सुझाव दिया है। इस संबंध में उनकी सरकार ने राजनीतिक पार्टियों को चंदे के लिए चुनावी बांड पेश कर एक अन्य छोटा, लेकिन महत्वपूर्ण कदम उठाया है। चुनावी बांड स्कीम राजनीतिक और चुनावी प्रणाली में समाई सारी बुराइयों का भले ही इलाज न करे, लेकिन यह एक अच्छी शुरुआत है। जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर के महीनों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की चुनिंदा शाखाओं से दस दिनों के लिए ब्याज मुक्त चुनावी बांड खरीदे जा सकते हैं। ये दस लाख रुपये और एक करोड़ रुपये सहित विभिन्न मूल्यवर्गों में उपलब्ध हैं। दानदाता इन बांडों को खरीदकर पंजीकृत दलों को दे सकता है। पार्टियां अपने नामित बैंक खातों में इन्हें भुना सकती हैं और इस प्रक्रिया में दानकर्ता की पहचान गुप्त रहेगी। इसके साथ-साथ सरकार ने राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता के लिए कुछ अन्य कदम भी उठाए हैं। इसने दो हजार रुपये से ज्यादा नकदी में चंदे को प्रतिबंधित कर दिया है। पहले यह सीमा बीस हजार रुपये थी और राजनीति में कालेधन की मुख्य जड़ थी। इसके अलावा कंपनियों को अब यह बताना जरूरी नहीं होगा कि उन्होंने किस पार्टी को चंदा दिया है।1 सभी बांड राजनीतिक दलों के नामित बैंक खातों में भुनाए जा सकते हैं और सभी दलों को बांड के जरिये मिलने वाले चंदे की राशि के बारे में बताना जरूरी होगा। मौजूदा नकदी चंदे की अपारदर्शी व्यवस्था में जहां दानदाता, दान लेने वाला, दान की मात्र और खर्च की प्रकृति सब कुछ गुप्त या अव्यक्त होते हैं उसमें अब कुछ हद तक पारदर्शिता आएगी। क्योंकि दानदाता जितने मूल्य के बांड खरीदेंगे वह और पार्टियों को चुनावी बांड के रूप में जितना चंदा मिलेगा वह, सब लोगों के सामने आएगा। हालांकि दानदाताओं के नाम गुप्त रखने के प्रावधान के समर्थन में वित्त मंत्री का तर्क है कि बांड स्कीम को आकर्षित बनाने के लिए यह प्रावधान किया गया है। पुराने अनुभव भी इसके समर्थन में हैं। उनका मानना है कि मौजूदा नकदी चंदे की व्यवस्था, जिसमें कालाधन बड़ी मात्र में होता है, की तुलना में बांड स्कीम ज्यादा उपयुक्त है। उन्होंने वादा किया है कि देश में राजनीतिक चंदे को स्वच्छ बनाने के लिए सरकार और कड़े कदम उठाएगी। दरअसल भारत में राजनीतिक दल कई दशकों तक अपने खातों का लेखा-जोखा तक नहीं रखते थे, न ही कभी आयकर रिटर्न फाइल करते। उनमें जवाबदेहिता और पारदर्शिता का यह अभाव तब तक बना रहा जब तक न्यायपालिका ने हस्तक्षेप नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने सबसे पहले प्रयास में चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह सुनिश्चित करे कि संसद और विधानसभाओं के लिए चुनाव लड़ने वाले सभी उम्मीदवार अपनी शैक्षणिक योग्यता, अपने खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों और अपनी संपत्तियों तथा देनदारियों की जानकारी दें और इस संबंध में शपथपत्र दायर करें। इसी तरह उसने राजनीतिक दलों पर इस बात के लिए भी दबाव डाला कि वे अपने बैंक खातों का लेखा-जोखा कराएं, टैक्स रिटर्न फाइल करें और अपनी संपत्तियों तथा देनदारियों से चुनाव आयोग को अवगत कराएं। सुप्रीम कोर्ट तब स्तब्ध रह गया था जब उसने देखा कि तत्कालीन सरकार राजनीतिक पार्टियों के संदर्भ में आयकर कानून को लागू नहीं कर रही है। फिर न्यायालय ने चुनाव आयोग और आयकर विभाग को निर्देश दिया कि वे टैक्स रिटर्न फाइल करने में विफल रहने वाले दलों के खिलाफ कार्रवाई करें।1भारतीय लोकतंत्र पर गर्व करने की कई वजहें भी हैं। 1951 में जहां मतदाताओं की संख्या 17.3 करोड़ थी वहीं 2014 में यह बढ़कर 81.5 करोड़ हो गई। न्यायपालिका का हस्तक्षेप और चुनाव आयोग की कड़ी निगरानी का धन्यवाद कि आज मतदाताओं को प्रत्येक उम्मीदवार की शैक्षणिक योग्यता, आपराधिक रिकॉर्ड और संपत्ति के बारे में घर बैठे जानकारी हासिल होने लगी है। आयोग ने बैलेट पेपर की जगह इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से चुनाव कराकर एक और शानदार काम किया है। उसने ईवीएम में वीवीपैट जोड़ कर उसके आलोचकों को करारा जवाब देने का काम किया है। इसके अलावा उसके पर्यवेक्षकों द्वारा चुनावों की निगरानी की जाती रही है। बावजूद इसके चुनाव में कालेधन के इस्तेमाल पर रोक नहीं लग पाई है। इस समस्या को जल्द से जल्द दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि मात्र ही काफी नहीं होता, गुणवत्ता भी जरूरी होती है। हमें न सिर्फ बड़ा, बल्कि दुनिया का सबसे अच्छा लोकतंत्र बनने की दिशा में बढ़ना चाहिए।

यह तो होना ही था

आम आदमी पार्टी के बीस विधायकों को अयोग्य करार देने की चुनाव आयोग की सिफारिश को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल जाने पर हैरानी नहीं, क्योंकि वह इस सिफारिश को मानने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य थे। निस्संदेह हैरानी इस पर भी नहीं कि चुनाव आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति की मुहर लग जाने के बाद आम आदमी पार्टी ने उन पर हमला किया। आम आदमी पार्टी के नेता और समर्थक चुनाव आयोग और राष्ट्रपति पर जिस तरह निशाना साध रहे हैं उससे यही पता चलता है कि नई तरह की राजनीति का दावा करने वाला यह दल किस तरह अन्य राजनीतिक दलों जैसा ही है। आम आदमी पार्टी ने एक साथ 21 विधायकों को जिस तरह संसदीय सचिव बनाया उसकी कहीं कोई आवश्यकता नहीं थी। इतने अधिक विधायकों को संसदीय सचिव इसीलिए बनाया गया, क्योंकि उनकी महत्वाकांक्षा को किसी न किसी रूप में पूरा किया जाना था। यही कारण रहा कि जिस दिल्ली में पहले कभी एक-दो संसदीय सचिव ही हुआ करते थे वहां इतनी बड़ी संख्या में विधायकों को लाभ के पद पर बैठा दिया गया। जब इस पर सवाल उठे तो एक कानून बनाकर उसे पिछली तिथि से प्रभावी बनाने की कोशिश की गई। यह कोशिश और कुछ नहीं, नियम कानूनों और संविधान की अनदेखी ही थी। भले ही आम आदमी पार्टी के नेता अपने को सही बताने के लिए तरह-तरह के आरोप उछालकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश करें, लेकिन इससे यह सच छिपने वाला नहीं कि उसने अन्य राजनीतिक दलों के तौर-तरीकों का कहीं अधिक ढिठाई के साथ अनुसरण किया।

विदेश नीति की मजबूती

अमेरिका के साथ भी भारत के रिश्ते एक नए दौर में दाखिल हुए हैं। अक्टूबर, 2017 में भारतीय दौरे के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री रेक्स टिलरसन ने कहा था कि अमेरिका और भारत गहन सामरिक साझेदार के तौर पर उभरे हैं जहां रक्षा संबंधों, आतंक विरोधी अभियान के साथ-साथ ऊर्जा सहयोग में दोनों देशों के रिश्तों में और प्रगाढ़ता आई है। भारत और अमेरिका मालाबार नौसेना युद्धाभ्यास, रक्षा तकनीक एवं व्यापार पहल और आसान आवाजाही एवं ढुलाई के लिए लेमोओ जैसे समझौतों के जरिये काफी करीब आ चुके हैं। उस दौरान टिलरसन ने पाकिस्तान का भी जिक्र करते हुए कहा था कि जो देश अपनी सरकारी नीति में आतंक का स्तेमाल करते हैं उन्हें मात खाने और बदनामी के अलावा कुछ और हासिल नहीं होगा।

इस साल गणतंत्र दिवस से पहला पखवाड़ा भारत की विदेश नीति को समर्पित रहा। राजधानी दिल्ली में 16 से 18 जनवरी के बीच तीसरे 'रायसीना डायलॉग' का आयोजन हुआ। सैकड़ों वैश्विक नीति-निर्माताओं, सरकारी अधिकारियों, कैबिनेट मंत्रियों, भारतीय अधिकारियों, अकादमिक जगत की हस्तियों, निजी क्षेत्र के दिग्गजों और मीडिया के नामचीन लोगों ने समें हिस्सा लिया। सका आयोजन ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) और विदेश मंत्रलय के संयुक्त तत्वाधान में होता है। स बार सका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ ही विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने किया। अब यह भारतीय विदेश नीति का एक प्रमुख आयोजन बन गया है। सके उद्घाटन सत्र का सार यही रहा कि भारत और जरायल के बीच रिश्ते और घनिष्ठ होते जा रहे हैं। नेतन्याहू के भारतीय दौरे के बीच ही एक पड़ाव यह भी था। दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने की बाबत उन्होंने दोहराया कि मुकाबले में केवल मजबूत और दमदार प्रतिद्वंद्वी ही अपना अस्तित्व बचा पाता है और ऐसे में आपको मजबूत साथी के साथ ही गठजोड़ करना पड़ता है। जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कमान संभाली है तब से भारतीय विदेश नीति में आमूलचूल बदलाव देखने को मिला है। जरायल के अस्तित्व में आने के बाद वहां का दौरा करने वाले मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। भारत जरायल का सबसे बड़ा रक्षा साझेदार है जहां दोनों देश अरबों डॉलर के रक्षा सौदों में लगे हैं। दोनों देशों ने परस्पर सामरिक एवं आर्थिक रिश्तों को मजबूती दी है। 1अमेरिका के साथ भी भारत के रिश्ते एक नए दौर में दाखिल हुए हैं। अक्टूबर, 2017 में भारतीय दौरे के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री रेक्स टिलरसन ने कहा था कि अमेरिका और भारत गहन सामरिक साझेदार के तौर पर उभरे हैं जहां रक्षा संबंधों, आतंक विरोधी अभियान के साथ-साथ ऊर्जा सहयोग में दोनों देशों के रिश्तों में और प्रगाढ़ता आई है। भारत और अमेरिका मालाबार नौसेना युद्धाभ्यास, रक्षा तकनीक एवं व्यापार पहल और आसान आवाजाही एवं ढुलाई के लिए लेमोओ जैसे समझौतों के जरिये काफी करीब आ चुके हैं। उस दौरान टिलरसन ने पाकिस्तान का भी जिक्र करते हुए कहा था कि जो देश अपनी सरकारी नीति में आतंक का स्तेमाल करते हैं उन्हें मात खाने और बदनामी के अलावा कुछ और हासिल नहीं होगा। वहीं स साल के पहले दिन ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक ट्वीट के जरिये पाकिस्तान को सन्न कर दिया। उन्होंने कहा कि आतंक के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान अमेरिका को बरगलाता आया है और स आधार पर उन्होंने पाकिस्तान को दी जाने वाली अमेरिकी मदद पर रोक लगा दी। उन्होंने कहा कि आतंक के खिलाफ संघर्ष में पाकिस्तान ने सिर्फ झूठ और फरेब का सहारा लिया है। ट्रंप ने कहा कि पंद्रह वर्षों के दौरान अमेरिका ने पाकिस्तान को 33 अरब डॉलर की सहायता दी और उधर पाकिस्तान आतंकियों को सुरक्षित पनाहगाह मुहैया कराता रहा। पाकिस्तान द्वारा अफगान तालिबान और हक्कानी नेटवर्क पर उचित कार्रवाई में हिचक से यह जाहिर भी होता है। 1आतंक को पोषित करने के चलते पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी भर्त्सना हो रही है। आइएसआइएस को हराने के लिए बने वैश्विक गठजोड़ का भी वह हिस्सा नहीं है। दिलचस्प बात यही है कि चीन का नजरिया अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से अलग है। बीजिंग का मानना है कि आतंक के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान ने बहुत त्याग किया है। चीन पाकिस्तान में 52 अरब डॉलर के भारी-भरकम निवेश से चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे यानी सीपीईसी का निर्माण कर रहा है जिसे चीन अपनी महत्वाकांक्षी वन बेल्ट, वन रोड परियोजना का अहम हिस्सा मानता है। वहीं मसूद अजहर जैसे दुर्दांत आतंकी पर प्रतिबंध लगाने की कोशिशों पर भी चीन संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर अड़ंगा डालता रहा है जो आतंकवाद को लेकर उसके रवैये की कलई खोलता है। चीन और पाकिस्तान की बढ़ती गलबहियों पर अमेरिका वक्त-बेवक्त आंखें तरेरता रहता है। जहां उसने पाकिस्तान को दी जाने वाली दो अरब डॉलर की सहायता बंद कर दी तो दक्षिण चीन सागर में चीनी आक्रामकता पर भी नजर रखता है। 1शुरुआत में मोदी ने पाकिस्तान के साथ रिश्ते सामान्य करने की कोशिश भी की। सी कड़ी में वह 2015 में अचानक पाकिस्तान भी गए, लेकिन पाकिस्तान की व्यवस्था में गहराई तक पैठ की हुई आतंक की जड़ों ने शांति की फसल को लहलहाने नहीं दिया और मोदी के दौरे के चंद रोज बाद ही पठानकोट एयरबेस पर हमला हो गया। फिर उड़ी हमले के साथ तो अति ही हो गई जिसके जवाब में भारत ने सीमा पार जाकर सर्जिकल स्ट्राक को अंजाम दिया। अब हम स आतंक पसंद पड़ोसी को लगातार मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। जहां तक राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न है तो मुंबई में 26/11 हमले के बाद से हालात काफी सुधरे हैं। तटीय सुरक्षा प्राथमिकता सूची में आई है। केंद्रीय गृह मंत्रलय तटीय सीमा पुलिस बल की योजना पर काम कर रहा है। साथ ही भारत 2018 तक पाकिस्तान से लगी सीमा पर बाड़ लगाने के साथ ही वहां अत्याधुनिक सीसीटीवी, थर्मल मेजिंग, नाट विजन डिवास और मॉनिटरिंग सेंसर की व्यवस्था करने जा रहा है। पूरब के साथ जुड़ने में भारत ने लंबी छलांग लगाई है। भारत-आसियान संबंध अपने शिखर पर हैं और यह हमारी विदेश नीति का अभिन्न अंग बन गए हैं। नई दिल्ली में जल्द ही भारत-आसियान शिखर सम्मेलन के आयोजन से समें एक नए अध्याय की शुरुआत होगी। साथ ही आसियान के दस राष्ट्रप्रमुख ही स बार गणतंत्र दिवस की शोभा भी बढ़ाएंगे। स्वतंत्र भारत के तिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।1बहुस्तरीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पर बंगाल की खाड़ी देशों की पहल यानी बिम्सटेक की भी अपनी अहमियत है। रायसीना डायलॉग में ससे जुड़े एक सत्र की मैंने अध्यक्षता भी की। बिम्सटेक दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के बीच एक सेतु की तरह है। यह दक्षेस और आसियान के साथ मिलकर क्षेत्र में आतंक विरोधी अभियान में सार्थक भूमिका निभा सकता है। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज भी बिम्सटेक को भारतीय विदेश नीति के बेहद अहम लक्ष्यों को हासिल करने का एक स्वाभाविक विकल्प बता चुकी हैं। स बीच विदेश मंत्रलय ने कुख्यात लालफीताशाही को खत्म करते हुए 'मदद' पोर्टल के रूप में एक सराहनीय पहल भी की है। हमारा कार्यालय समय-समय पर सके जरिये लोगों की मदद करता है। हाल में ही केंद्रपाड़ा के शशिकांत बिस्वाल को बचाने में यह मददगार रहा। बिस्वाल पश्चिम एशिया में एक कबूतरबाज एजेंट के चंगुल में फंसे हुए थे। बीते दो हफ्तों में स साल के लिए विदेश नीति की बुनियाद तैयार कर दी गई है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले महीनों में क्या होता है। चूंकि अगले आम चुनाव भी ज्यादा दूर नहीं हैं तो सरकार की कथनी और करनी पर भी सभी की नजरें लगी होंगी। भू-राजनीतिक प्रभाव में प्रमुख खिलाड़ी के तौर पर उभरने के लिए भारत को अपनी सामरिक ताकत और व्यापक आर्थिक क्षमताओं का निरंतर लाभ उठाते रहना चाहिए।

विकास में पिछड़ने की वजह

मानव विकास के साथ उत्पादन प्रक्रिया का जुड़ाव हमेशा से रहा है। परंपरागत समाज से लेकर आधुनिक समाज की एक पहचान उत्पादन प्रक्रिया भी है। जब मानव समूह में नहीं रहता था उस समय से लेकर सामूहिकता, क्षेत्रीयता, राष्ट्रीयता व अंतरराष्ट्रीयता तक की विकास यात्र में उत्पादन प्रक्रिया ने अपने आप में बदलाव किया है, लेकिन यह बदलाव हमेशा सकारात्मक ही नहीं होते हैं, कई बार यह नकारात्मक भी हो जाते हैं। प्रत्येक देश के इतिहास में अंधकार युग का आना इस तथ्य की पुष्टि करता है। वैसे धर्म विश्वास केंद्रित होता है तथा विश्वास ज्ञान आधारित। ज्ञान निश्चित तौर पर जड़ता की स्थिति नहीं है। अर्थात धार्मिक विश्वास को ज्ञान के साथ संशोधित या परिवर्तित किया जा सकता है। ज्ञान को आधार मानकर मानव अपना कर्म करता है तथा कर्म के आधार पर विश्वास को प्राप्त करता है या उसके समीप पहुंचता है। विश्वास के समीप पहुंचकर मानव धर्म के प्रति और आस्थावान हो जाता है। 1उधर सामाजिक परिवर्तन एकाएक न होकर निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। अत धर्म जिसका मूल आधार ज्ञान है एकाएक अप्रासंगिक नहीं हो जाता, बल्कि यह मानवीय समस्याओं का समाधान कम से कम आंशिक रूप से बदलाव की प्रक्रिया में भी करता रहता है। पूर्ण समस्या समाधान या समीप समस्या समाधान से आंशिक समस्या समाधान तक पहुंचने के क्रम में अगर ज्ञान का विस्तार न हो तो लोग नई समस्याओं का समाधान कर पाने में अक्षम होते हैं तथा मानव मस्तिष्क पूर्व की अवस्थाओं का गुणगान करने लगता है। इस गुणगान के क्रम में वह वर्तमान का आलोचक बन जाता है। वह ज्ञान के विस्तार से ज्यादा पूर्व की स्थिति में वापस लौटने की वकालत करने लगता है। ऐसी स्थिति में धर्म एक अचल व जड़ता युक्त आस्था का रूप धरण कर लेता है। यह जड़ता धर्म को ज्ञान का आधार बताने लगता है, जबकि वास्तविकता में ज्ञान धर्म का आधार है। ऐसी स्थिति में सामाजिक बदलाव के साथ मानव मस्तिष्क तालमेल नहीं बैठा पाता है। परिणाम यह होता है कि मानव नई समस्या का समाधान करने के लिए अपने ज्ञान को विस्तार नहीं दे पाता है तथा बदलते सामाजिक संदर्भ में समस्याओं की भरमार हो जाती है। 1भारत में प्राचीन काल से लेकर वर्तमान तक की उत्पादन प्रक्रिया पर अगर हम संक्षिप्त दृष्टि डालें तो हम पाएंगे कि हड़प्पा काल के बाद ईसा पूर्व 1500 से लेकर ईसा पूर्व 1000 तक धर्म मानवीय सामाजिक विकास के साथ क्षैतिज रूप से जुड़ा रहा। इस समय की उत्पादन प्रक्रिया में मानव ज्यादातर प्रकृति पर निर्भर था। आगे ईसा पूर्व 1000 के बाद उत्पादन प्रक्रिया में बदलाव हुआ छोटे-छोटे कबीले अब राज्यों का रूप धारण कर चुके थे। सरदार अब राजा और महाराजा बन गए थे। व्यापारिक संबंध अब विदेशों के साथ भी थे। लोहे की खदानों की खोज से समाज अब प्रगति के नए मार्ग पर जाने को तैयार था। कुल मिलाकर समाज अब नए ज्ञान के साथ उत्पादन प्रक्रिया में अपने सामूहिक विकास के लिए योगदान देना चाहता था, लेकिन प्रभावशाली वर्ग यह नहीं चाहता था, क्योंकि उसकी सत्ता का आधार ही सामाजिक पिछड़ापन था। अत प्रभावशाली वर्ग ने खनिज आधारित तकनीकी ज्ञान को नकार दिया। यहीं से भारतीय विकास में पिछड़ापन आने लगा तथा नए ज्ञान के न आने के कारण धर्म जड़ होने लगा धर्म अर्थात विश्वास की जड़ता ने कर्म को भी शिथिल बना दिया। धीरे-धीरे स्थिति इस प्रकार भयानक रूप धारण करने लगी कि जब विदेशी शासक आते तब ही देश में कुछ नई तकनीक का आगमन होता। यह स्थिति कृषि व तकनीकी उत्पादन दोनों में थी। 1धर्म का प्रत्यक्ष जुड़ाव अर्थव्यवस्था से है चाहे वह वैदिक धर्म हो या इस्लाम, बौद्ध, ईसाइयत इत्यादि, लेकिन आगे चलकर भारत में धर्म धीरे-धीरे जड़ता का रूप धारण करने लगा और अर्थव्यवस्था तथा धर्म दो अलग-अलग क्षेत्र बनने लगे। धर्म अर्थात मानवीय विश्वास और विकास के लिए कर्म में अब निर्भरता नहीं रही। भारतीय समाज यहीं से मानसिक द्वंद्व में आने लगा। अब मानव पूरे विश्वास के साथ कर्म नहीं कर पा रहा था। भारतीय धर्म प्रकृति सहचर व संवर्धन पर आधारित था तथा नई उत्पादन प्रक्रिया प्रकृति दोहन पर आधारित थी। इसी द्वंद्व में फंसकर भारतीय समाज में लगभग 2950 वर्षों तक तकनीकी विकास की गति मंद रही। इन वर्षों के दौरान हम अपनी खनिज संपदा के आधार पर कोई औद्योगिक क्रांति नहीं कर सके, जबकि यूरोप ने ऐसा कर दिखाया। औद्योगिक क्रांति के बाद तो पूरी उत्पादन प्रक्रिया में ही बदलाव आ गया और इस बदलाव के साथ भारतीय धर्म तालमेल नहीं बैठा पाए। भारतीय विकास की रूपरेखा धर्म अर्थात विश्वास को अलग कर नहीं बनाया जा सकता, लेकिन भारतीय धर्मों ने विकास के अनिवार्य निर्धारक तत्व अर्थव्यवस्था की बदलती उत्पादन प्रक्रिया से तालमेल बैठने का कभी प्रयास नहीं किया। बदलती उत्पादन प्रक्रिया और विकास के नए मापदंड के कारण अब लोग मानने लगे हैं कि धर्म और अर्थव्यवस्था अलग-अलग हैं। 1वास्तव में धर्म और अर्थव्यवस्था के तालमेल न होने के कारण भारतीय एक साथ कई जीवन जीने को विवश हैं। इस विवशता के कारण भारतीय बदलती हुई उत्पादन प्रक्रिया का अधिकतम लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। यह विवशता विकास की गति को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। एक साथ कई जीवन जीने के कारण भारतीय समाज की प्रतिष्ठा में भी गिरावट हो रही है। ऐसी स्थिति में आवश्यकता है कि धर्म नए ज्ञान के साथ मिलकर नए रीति-रिवाजों का समावेश करे और बदलती हुई उत्पादन प्रक्रिया के साथ तालमेल बैठाकर पुन अपने आप को अर्थव्यवस्था से जोड़े। धर्म और उत्पादन प्रक्रिया में हो रहे बदलाव के साथ जुड़ते ही धर्म और कर्म का द्वंद्व समाप्त हो जाएगा। परिणामत मानवीय कर्म भारतीय धर्म के साथ जुड़कर बदलती हुई उत्पादन प्रक्रिया में अपना योगदान निभाना शुरू करेगी और भारत पुन से विश्व के समक्ष विकास के नए प्रतिरूप को रख पाने में सक्षम होगा।

अराजकता का प्रदर्शन

पद्मावती से पद्मावत में तब्दील हुई फिल्म का जिस हिंसक और अराजक तरीके से विरोध जारी है उससे विरोध करने वाले संगठनों के साथ-साथ संबंधित राज्य सरकारों की भी बदनामी हो रही है। अब तो ऐसा लगता है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से उन संगठनों को जानबूझकर हवा दी जा रही है जो फिल्म पद्मावत के खिलाफ सड़कों पर उतरकर हुड़दंग मचा रहे हैं। आखिर क्या कारण है कि चुनाव वाले राज्यों में ही फिल्म पद्मावत का ज्यादा विरोध हो रहा है? निस्संदेह सवाल यह भी है कि इन राज्यों की सरकारें उत्पात मचा रहे संगठनों के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई क्यों नहीं कर रही हैं? यह कितना उचित है कि कुछ स्वयंभू संगठनों के नेता घूम-घूम कर हिंसा फैलाने की धमकी देते रहें? बेहतर होगा कि इस मामले में केंद्र सरकार भी अपनी सक्रियता दिखाए, क्योंकि भाजपा शासित राज्यों में ही ज्यादा अराजकता देखने को मिल रही है। केंद्र सरकार को राज्यों को आवश्यक निर्देश देने में देर नहीं करनी चाहिए, क्योंकि फिल्म पद्मावत का विरोध करने वाले संगठन कानून एवं व्यवस्था का खुला उपहास उड़ा रहे हैं। फिल्म के विरोध में नियम-कानूनों को धता बताते हुए तोड़फोड़ एवं आगजनी करने की खुली धमकी देना एक किस्म की गुंडागर्दी ही है। सभ्य समाज में किसी को भी यह शोभा नहीं देता कि वह अपनी आहत भावनाओं का हवाला देकर सड़कों अथवा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर आम लोगों को आतंकित करने का काम करे। फिल्म पद्मावत के विरोध में अराजकता फैला रहे संगठन यदि यह सोच रहे हैं कि उनकी बेजा हरकतों से देश-दुनिया उन्हें सही मान लेगी या फिर उनके प्रति सहानुभूति से भर जाएगी तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं होने वाला। कुतर्क के साथ मनमानी करने वाले समूह-संगठन सदैव आलोचना और अपयश के ही पात्र बनते हैं।1सेंसर बोर्ड से अनुमति मिलने और सुप्रीम कोर्ट की ओर से फिल्म के विरोध को आधारहीन ठहराए जाने के बाद इसका कोई औचित्य नहीं रह जाता कि करणी सेना अथवा ऐसे ही अन्य संगठन जोर-जबरदस्ती से फिल्म के प्रदर्शन को रोकने की कोशिश करें। आखिर जब पद्मावत के निर्माता निर्देशक समेत जिन लोगों ने इस फिल्म को देखा है वे बार-बार यह कह रहे हैं कि फिल्म में ऐसा कुछ नहीं है ।

एक करिश्मा जो विराट है

मार्च 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विराट कोहली के दो शानदार स्क्वॉयर ड्राइव देखने के बाद मैंने ट्वीट किया था, 'यह मेरे बचपन के हीरो, मेरी कल्पना वाले इंडिया इलेवन के जीआर विश्वनाथ को देखने जैसा है।' उस दिन विराट ने अपनी क्रिकेट महानता के प्रति आश्वस्त कर दिया था। 2012 के बेंगलुरु टेस्ट में विराट के 100 शानदार रन के साथ ही मैं इस चमत्कार के असर में आया था। न्यूजीलैंड की उस जबर्दस्त आक्रामकता के सामने सचिन बहुत साधारण दिखते थे, लेकिन एक ऐसा खिलाड़ी, जो सचिन को सब कुछ मानता था, पूरी तरह आत्मविश्वास से लबरेज दिख रहा था। दो साल बाद एडीलेड टेस्ट में भारत को शानदार विजय दिलाने वाली उसकी शानदार पहली कप्तानी पारी अब तक जेहन में है। विराट की लगातार परफॉरमेंस का नतीजा था कि बचपन में बनी छवियां नया आकार लेने लगीं। मेरी कल्पना में नई 'ऑल टाइम इंडिया इलेवन' आकार लेने लगी थी, जिसमें सहवाग, गावस्कर, द्रविड़, तेंदुलकर के साथ सिर्फ विराट थे, जिनकी जगह तय थी।

यह दो साल पहले की बात है। अब, लगातार उनकी लंबी छलांग और हाल के 153 रनों वाली टेस्ट पारी देखने के बाद कह सकता हूं कि विराट किसी भी फॉरमेट और परिस्थिति में खेलने में सक्षम भारत के महानतम बल्लेबाज हो सकते हैं। मेरी नजर में द्रविड़ और गावस्कर, सहवाग और सचिन भी हर जगह बराबर नहीं चल पाए। सचिन का कप्तान बनना कई बार उनकी परफॉरमेंस पर भारी दिखा। लेकिन इस सबके उलट बतौर कप्तान विराट कोहली कहीं ज्यादा आत्मविश्वास से भरे दिखते हैं। विराट से मैं सिर्फ एक बार मिला हूं, लेकिन उस अकेली बातचीत और अपनी जानकारी के आधार पर कह सकता हूं कि वह अब तक के सबसे ज्यादा करिश्माई भारतीय खिलाड़ी हैं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के चार महीने के अपने कार्यकाल में विराट की दृढ़ता देखी। उनमें चीजों और लोगों को नियंत्रित करने की गजब की क्षमता है। बीसीसीआई के अधिकारी तो विराट के आगे ऐसा नतमस्तक दिखते हैं, जैसा नरेंद्र मोदी के सामने उनकी कैबिनेट भी नहीं करती होगी। महत्वपूर्ण फैसलों में वे विराट का मुंह देखते हैं। भारत में राजनीति हो या कारोबार, अकादमिक क्षेत्र हो या खेल, उपलब्धि और व्यक्तित्व को जब भी साथ मिलाया गया है, संस्था किसी एक व्यक्ति के प्रभामंडल में समाती दिखाई दी है। यही यहां भी दिखाई दिया है। पर यह भी सच है कि मैदान या मैदान के बाहर विराट वाकई विराट दिखते हैं। भारतीय खेल इतिहास में दूसरा उदाहरण नहीं मिलता, जिसमें क्रिकेटीय महानता के साथ-साथ मानसिक सतर्कता व निजी करिश्मे का इतना जबर्दस्त मेल दिखता हो। हां, कुंबले जरूर हैं, जो एक हद तक कोहली के आसपास दिखते हैं। शायद दोनों में टकराव और कुंबले के जाने की वजह भी यही थी। उनके जाने पर कई सवाल हैं। शायद इसलिए कि बीसीसीआई के कानूनी पैरोकार और सीईओ की तरह ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा मनोनीत प्रशासकों की कमेटी ने भी विराट के व्यक्तिव से आक्रांत होकर समर्पण कर दिया था। यही हाल कथित चयन समिति का भी हुआ, जब टॉम मूडी और अन्य प्रतिद्वंद्वियों के सामने रवि शास्त्री का चयन महज इसलिए हो सका, क्योंकि विनोद राय, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और वीवीएस लक्ष्मण में से कोई भी कप्तान के सामने कुछ बोल नहीं पाया। कुछ विराट भक्त भारतीय कप्तान की हालिया पारियों के संदर्भ में इस लेख की टाइमिंग पर सवाल उठा सकते हैं, लेकिन खुद को याद दिलाने का यही सही वक्त है कि व्यक्तित्व की महानता को संगठन पर हावी होने की छूट नहीं मिलनी चाहिए। खेल में हमें बनाए रखने के लिए कोहली ने वह सब किया, जो वह कर सकते थे, लेकिन किसी टीम के अंदर एक व्यक्ति की शक्ति की सीमा तय होनी चाहिए। क्या यह सच नहीं है कि अगर रहाणे दोनों टेस्ट खेलते, भुवनेश्वर कुमार इस टेस्ट में खेले होते, अगर घर में श्रीलंका के साथ गली क्रिकेट खेलने की बजाय हमारी टीम दो हफ्ते पहले दक्षिण अफ्रीका गई होती, तो ताजा दौरे के नतीजे कुछ और होते। बीसीसीआई और उसकी उपलब्धियों पर चहकने वाले भारत को विश्व क्रिकेट का केंद्र मानते हैं। मौद्रिक शर्तों पर यह सही होगा, पर खेल के संदर्भ में सही नहीं है। ब्राजील के फुटबॉल प्रेमियों की अपेक्षा हमारे यहां क्रिकेट को लेकर दस गुना ज्यादा बुखार है। बीसीसीआई के पास मुद्रा की भी कमी नहीं है। अब ऐसे मजबूत आधार में तो भारत को विश्व की शीर्ष टीम होना चाहिए था। इस बात का कोई कारण ही नहीं था कि टीम इंडिया घरेलू या विदेशी मैदान पर कोई भी टेस्ट मैच, एकदिनी या टी-20 या सीरीज हारती। बीते 70 साल में भी अगर हम ऑस्ट्रेलिया की जमीन पर कोई सीरीज नहीं जीत पाए, तो यह हमारे उस प्रबंधन की चूक है, जिस पर खेल का दारोमदार था। भारतीय क्रिकेट भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद का शिकार तो था ही, अब इसने 'सुपरस्टार सिंड्रॉम' के रूप में नई बीमारी पाल ली है। विराट महान खिलाड़ी हैं, पर संस्थागत ढांचे के 'नियंत्रण व संतुलन' के बगैर उनकी टीम उस ऊंचाई पर नहीं पहुंच सकती, जिसकी दरकार है। आज भारतीय क्रिकेट में चयनकर्ता, कोचिंग स्टाफ व प्रशासक, सब के सब विराट के सामने बौने दिखते हैं, जो गलत है। चयनकर्ताओं को तो वास्तविक उपलब्धियों वाला क्रिकेटर होना चाहिए। कोच को बेहिचक निर्णायक कदम उठाने चाहिए। प्रशासकों को भी अहम और निजी लाभ किनारे रख विदेशी जमीन पर ज्यादा से ज्यादा विजयी संभावनाओं वाला कैलेंडर बनाना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका के दौरे से सबक लेने की जरूरत है। भारत दक्षिण अफ्रीका में लगातार टेस्ट मैच या सीरीज जीतने लगे, और ऐसा ही ऑस्ट्रेलिया में होने लगे, तब जाकर हम खुद को विश्व क्रिकेट का बादशाह कह पाएंगे। हमारे पास यह सब कर सकने वाली टीम भी है, और लीडर भी।

डेजी शाह को बॉलीवुड में लेकर आए सलमान, कारण जानकर रह जाएंगे हैरान

यह तो सभी जानते हैं कि अभिनेत्री डेजी शाह को सलमान खान ने बॉलीवुड में ब्रेक दिया था लेकिन अब उनके डेब्यू के पीछे के राज से भी पर्दा उठ चुका है। सलमान खान और कैटरीना कैफ ने जितनी सुर्खियां अपने अफेयर को लेकर बटोरीं, उतनी ही चर्चा उनके ब्रेकअप की भी हुई लेकिन अब उनसे जुड़ा एक ऐसा राज सामने आया है, जिसे सुन शायद आप भी हैरान रह जाएंगे। सूत्रों की मानें तो जब कैट ने सलमान को छोड़ दिया था तो सल्लू बहुत दुखी हो गए थे। उस वक्त चीजें पूरी तरह से असंतुलित हो गई थीं। आखिरी मुलाकातों में सलमान ने कैटरीना के सामने जमकर अपनी भड़ास निकाली। गुस्से में आकर उन्होंने यह तक बोल दिया था कि कैट को जो दौलत-शोहरत मिली है, वह उन्हीं की वजह से मिली है। उन्हें स्टार बनाने वाले सलमान ही हैं। कैट को यह बात बिल्कुल अच्छी नहीं लगी और उन्होंने सलमान को जवाब देते हुए कहा कि वह अपने टैलेंट के बल पर स्टार बनी हैं न कि उनकी सपोर्ट से। कैट ने तो यह तक कह दिया कि अगर सच में ऐसा है तो वह उनकी तरह किसी और को उठाकर स्टार क्यों नहीं बना लेते। इसके जवाब में सलमान ने एक बैकग्राउंड डांसर को स्टार बनाने का फैसला कर लिया। गणेश आचार्य के रुप में डांस सीखने वाली डेजी शाह पर उनकी नजर गई और सलमान ने उन्हें बॉलीवुड में लॉन्च करने का फैसला कर लिया। उन्होंने डेजी को पूरी तरह से गाइड किया और फिर अपनी फिल्म जय हो के साथ बॉलीवुड में उनकी एंट्री कराई। भले ही उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली लेकिन सलमान के साथ फिल्म में बतौर लीड हीरोइन एंट्री कर डेजी खूब स्पॉटलाइट में रहीं। इतना ही नहीं इस फिल्म के बाद डेजी के साथ सलमान के खास रिश्ते को लेकर भी खूब बातें हुईं। फिर कैट की तरह वह भी सलमान के घर के हर समारोह में नजर आने लगीं।

स्टार बनने का सपना पूरा नहीं हुआ: भले ही टशन में सलमान ने कैट की चुनौती को स्वीकार कर डेजी को बॉलीवुड में लॉन्च कर दिया हो लेकिन कैट की बात भी अब कहीं न कहीं सही साबित होती दिख रही है। वजह ये कि डेजी अब भी बॉलीवुड में अपनी एक खास जगह बनाने के लिए खूब मशक्कत कर रही हैं। वह खुद ये बोल चुकी हैं कि उन्हें अच्छी फिल्में तो मिल रही हैं लेकिन उन्हें कहीं न कहीं इस बात का मलाल है कि उनकी गिनती कभी बॉलीवुड की बड़ी अभिनेत्रियों में नहीं हुई। वह पिछली बार फिल्म हेट स्टोरी-3 में नजर आई थीं। बेशक उनकी यह फिल्म सफल रही लेकिन इसका हिस्सा बन डेजी के ज्यादातर प्रशंसक उनके आलोचक बन गए और उन्होंने डेजी के बोल्ड अवतार को लेकर सोशल मीडिया पर भी अपनी नाराजगी जाहिर की थी। जय हो के बाद अब एक बार फिर डेजी को सलमान के साथ फिल्म रेस-3 में काम करने का मौका मिला है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि शायद इस बार उनके कॅरियर की गाड़ी आगे बढ़ जाए।

सिद्धार्थ ने भोजपुरी को लेकर कहा कुछ ऐसा कि नीतू चंद्रा ने कहा- शर्म करो

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा कुछ वक्त पहले टीवी शो %बिग बॉस 11% के सेट पर अपनी फिल्म अय्यारी के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे. शो के सेट पर वह फिल्म के एक्टर मनोज बाजपेयी के साथ पहुंचे थे और सेट पर मजाक-मजाक में मनोज बाजपेयी ने सिद्धार्थ को भोजपुरी में सलमान की फिल्म टाइगर जिंदा है के डायलॉग को भोजपुरी में बोलने के लिए कहा. सिद्धार्थ ने जैसे-तैसे कर के डायलॉग तो बोल दिए लेकिन उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि भोजपुरी बोलतो हुए उन्हें लैटरीन (शौच) जैसी फीलींग आई. सिद्धार्थ की इस बात का पता चलने पर बिहार की एक्ट्रेस नीत चंद्रा काफी नाराज हुईं और उन्हें सोशल मीडिया पर ट्वीट करते हुए लिखा, सिद्धार्थ मल्होत्रा तुमने बहुत निराश किया. ऐसा शख्स जिसे बेस्ट लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, उसने ऐसी बात की. एक आउटसाइडर होने के बावजूद तुमने नाम कमाया, लेकिन तुमने इतने हल्के शब्दों का इस्तेमाल कैसे किया. नेशनल टेलीविजन पर भोजपुरी की बेइज्जती की. शॉकिंग है! जमीन पर बैठकर भोजपुरी बोलने से तुम्हें लैटरीन (शौच) की फीलिंग आती है. तुम्हें शर्म आनी चाहिए।

हिना खान हो सकती हैं इस रिअलिटी शो का हिस्सा

हिना खान की जब से डेली शॉप ये रिश्ता क्या कहलाता है से विदाई हुई है, तब से वे रिअलिटी शो का हिस्सा बन रही हैं। हिना बिग बॉस के अलावा कलर्स के ही शो खतरों के खिलाड़ी का हिस्सा रहीं। हालांकि वह टॉप पर पहुंच कर भी हमेशा रनर अप तक ही पहुंच पाई हैं। अब खबर है कि जल्द ही स्टार प्लस पर %नच बलिये% का नया सीजन शुरू होने वाला है और अभी से हिना खान और उनके बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल ने तैयारी शुरू कर दी है।वैसे अब तक इस खबर की पुष्टि नहीं हुई है। हिना खान ने हालांकि अपनी बातचीत में यह स्वीकारा है कि अगर उन्हें कभी डेली सोप के भी ऑफ़र मिलेंगे तो वह उसे करने के लिए तैयार हैं। चूंकि उन्हें जो ख्याति मिली है, वह सास बहू के शो से ही मिली है। इसलिए वह इस तरह के ऑफ़र के लिए भी तैयार हैं। लेकिन अगर उन्हें अपने बॉयफ्रेंड रॉकी के साथ किसी शो का हिस्सा बनने का मौका मिलेगा तो वह फ़ौरन तैयार हो जाएंगी। हालांकि उन्होंने कहा है कि वह रॉकी के साथ लंबी छुट्टियों पर जाने वाली हैं, जहां वह थोड़ा रिलेक्स करें। आपको बता दें कि, भले ही बिग बॉस सीजन 11 में हिना खान को लेकर खूब नेगेटिव पब्लिसिटी हुई और वे विजेता नहीं बन सकीं, लेकिन मजेदार बात यह रही कि इस शो के आखिरी टास्क में उन्होंने सबका दिल जीत लिया था। वजह यह रही कि जब टास्क के अनुसार उनके सामने 3 लाख रुपए रखे गए और उन्हें कहा गया कि उन्हें विकास की मां की तस्वीर को स्टैंप करना है तो हिना खान ने इस टास्क को पूरा करने से इनकार कर दिया कि वह किसी की भी मां के साथ ऐसा नहीं कर सकती हैं। हिना ने पैसे को तवज्जो नहीं दी और विकास की मां का सम्मान रखा। उनके इस काम की वजह उनकी ट्विटर पर उनकी जमकर तारीफ़ हुई थी।

खुल गया शाहिद की किस्मत का ताला, एक और बड़े बैनर की फिल्म हाथ लगी

शाहिद कपूर की पिछली फिल्म 'रंगून' भले ही बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी हो लेकिन इससे बॉलीवुड में उनकी लोकप्रियता कम नहीं हुई है। तभी तो उनके पास बड़ी-बड़ी फिल्मों की लाइन लगी हुई है और लगे भी क्यों न 'हैदर' और 'उड़ता पंजाब' जैसी फिल्मों में काम कर शाहिद यह साबित जो कर चुके हैं कि वह अपने कंफर्ट जोन से हटकर भी बेहतरीन परफॉर्म कर सकते हैं। 'टॉयलेट एक प्रेम कथा' के डायरेक्टर नारायण सिंह ने उन्हें अपनी अगली फिल्म 'बत्ती गुल मीटर चालू' में कास्ट कर लिया है, यह खबर तो अब पुरानी हो चुकी है। नई खबर है कि बॉलीवुड के एक और बड़े बैनर ने अपनी फिल्म के लिए शाहिद से संपर्क किया है और उन्हें फिल्म की कहानी भी पसंद आ गई है लेकिन अभी इससे जुड़ी कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है। शाहिद जल्द ही अपने इस प्रोजेक्ट के बारे में खुलासा करेंगे। खबर तो यह भी आ रही थी कि 'पद्मावत' के बाद निर्देशक संजय लीला भंसाली उनके साथ एक बार फिर अपने दूसरे प्रोजेक्ट में काम करना चाहते हैं। इसके अलावा वह इम्तियाज अली की अगली फिल्म से भी जुड़ गए हैं। कुछ ही दिनों पहले शाहिद ने कहा था कि लंबे समय बाद उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है कि वह एक स्टार हैं। आज बॉलीवुड का हर बड़ा निर्देशक और निर्माता उनके साथ काम करना चाहता और यह देख शाहिद बहुत खुश हैं। उनका कहना है कि वह अपने कॅरियर के एक बहुत अच्छे दौर से गुजर रहे हैं।

फिल्म रिव्यू: देखने के बाद कहेंगे बेमानी है पद्मावत का विरोध

संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत को लेकर जितने विवाद अब तक हुए हैं वो निंविवाद रूप से कितने बेमानी थे, वो फिल्म देखने के बाद स्पष्ट हो जाता है। फिल्म में राजपूतों की गरिमा और मान सम्मान को ठेस पहुंचाता एक भी दृष्य नही है। शायद विरोध करने वालों ने देखे बिना ही ज्यादा विरोध करना शुरू कर दिया। फिल्म के अंत में आप राजपूती गरिमा, वीरता और आन-बान और शान को सलाम करते हुए बाहर निकलते हैं। संजय लीला भंसाली हमेशा से ही लार्जर देन लाइफ सिनेमा बनाते रहे हैं। लेकिन पद्मावत उनके जीवन की सबसे बड़ी फिल्म है। भारतीय सिनेमा के इतिहास में इतनी भव्य फिल्म अभी तक शायद ही कोई हो। शायद पहली बार ऐसी फिल्म देखने मिलेगी। इतनी भव्यता में भी संजय लीला भंसाली हर एक दृश्य की छोटी-छोटी डिटेल्स पर बारीकी से काम करते नज़र आते हैं।

भंसाली के कलर कॉम्बीनेशंस - संजय लीला भंसाली के कलर कॉम्बीनेशंस और उनका आर्ट डायरेक्शन, ये सभी सीन की भव्यता को और भी बड़ा कर देता है। उनकी हर फिल्म अलग टेक्सचर लिए होती है। इसमें उन्होंने राजस्थान के रंग को बखूबी पकड़ा है। हर दृष्य में परिपूर्णता उनकी खासियत है। फिल्म का संगीत भी उन्होंने दिया है, तो जाहिर तौर पर एक निर्देशक और एक संगीतकार की जुगलबंदी उन्होंने बेहतरीन ढंग से निभाई है। गानों की फ्रिक्वेंसी थोड़ी ज्यादा है जो कि थोड़ी कम होती तो भी चल जाता।

दीपिका को पहचान नहीं पाएंगे - परफॉर्मेंस लेवल पर बात करें तो दीपिका पादुकोण ने रानी पद्मिनी की हर एक चीज को इतना बखूबी आत्मसात किया है कि आप एक बार भूल जाते हैं कि ये दीपिका हैं। वो हर दृष्य में रानी पद्मीनी ही लगती हैं। वही महारावल रतन सिंह बने शाहिद कपूर ने इस किरदार के लिए जमकर मेहनत की जो पर्दे पर साफ नज़र आती है। लेकिन, इन सब में उभर कर आता है खलनायकी किरदार याने अलाउद्दीन खिलजी का। रणवीर सिंह को अभी तक नायक के किरदारों में देखा और पसंद किया है। पहली बार वो एक खलनायकी किरदार में हमारे सामने आए हैं और उन्होंने किस ढंग से खलनायक को गढ़ा है वो वाकई तारीफे काबिल है। इन तीनों मुख्य पात्रों के अलावा वेटरन एक्टर रज़ा मुराद की अदायगी भी अव्वल दर्जे की है। जलालुद्दीन खिलज़ी के किरदार को उन्होंने अपने अंदाज़ में जीवंत कर दिया है! साथ ही मेरुनिषा के किरदार में अदिति राव हैदरी ने भी कमाल का प्रदर्शन किया है। सभी किरदार अपने लिए एक अलग ही आभार रचते हैं और उसमें सफल भी नज़र आते हैं!

बेहतरीन एडिटिंग और सिनेमेटोग्राफी - फिल्म में भंसाली का जबरदस्त डायरेक्शन तो है ही। वहीं, फिल्म की भव्यता को चार चांद इसकी एडिटिंग और सिनेमेटोग्राफी जैसी चीजें लगाती हैं। साथ ही कॉस्ट्यूम पर भी जबदस्त काम किया गया है जो फिल्म की भव्यता और बढ़ा देता है।

सोनम का दिल डोला, करना चाहती हैं वो काम, जो उन्होंने पहले कभी नहीं किया

लगता है सोनम कपूर भी बॉलीवुड की अन्य अभिनेत्रियों की तरह खुद को एक ही काम तक सीमित नहीं रखना चाहतीं। तभी तो आजकल वह बार-बार यही बोल रही हैं कि वह एक्टिंग के साथ नई-नई चीजों में अपनी किस्मत आजमाना चाहती हैं। एक हालिया इंटरव्यू में सोनम ने कहा, मुझे निर्देशन का बहुत शौक है। मैं जल्द से जल्द निर्देशक की टोपी पहनना चाहती हूं लेकिन यह संभव नहीं हो पा रहा है क्योंकि मेरे पास काम ही इतना है। मेरे पास अच्छी-अच्छी फिल्मों के प्रस्ताव मिल रहे हैं। मैं चाहकर भी किसी भी फिल्म के लिए ना नहीं कह पा रही हूं। इस साल मेरी चार फिल्में रिलीज होंगी। जब मैं अपने इन कामों से फ्री हो जाऊंगी तो पक्का किसी सब्जेक्ट पर काम करूंगी। फिलहाल मैं अपने सारे काम-धाम छोड़ डायरेक्शन की ओर रुख नहीं कर सकती और वैसे भी मेरे पास इतनी बेहतरीन फिल्में हैं कि मैं इन्हें छोड़ कोई और फैसला अभी नहीं ले सकती। मुझे डायरेक्शन के लिए एक साल का ब्रेक लेना पड़ेगा क्योंकि फिल्म के निर्देशन की कमान संभालना आसान काम नहीं है। यह मेरे लिए एक बहुत बड़ा बलिदान होगा क्योंकि एक्टिंग से मुझे बहुत प्यार है पर हां, पर्दे के पीछे काम करने का भी मेरा बहुत मन है। मैं स्वरा भास्कर, आलिया भट्ट और करीना कपूर खान को लेकर फिल्म बनाना चाहूंगी।यह मेरे लिए एक बिल्कुल अलग अनुभव होगा और उम्मीद है कि जल्द ही मैं डायरेक्टर बन अपनी फिल्म के कलाकारों को निर्देश दूंगी।

एक्सपर्ट- इस तरह आपके जीवन को फायदा पहुंचाता है तनाव!

आज की बेहद व्यस्त जिंदगी में एक चीज को लोगों को साथ कभी नहीं छोड़ती वो है स्ट्रेस यानि तनाव। ऑफिस से लेकर घर तक, हर जगह पर आप तनाव महसूस करते हैं और हो सकता है कि आप इससे निजात पाने के लिए इलाज भी करवाते हों। हालांकि एक्सपर्ट्स का ये मानना है कि अगर आप तनाव को सकारात्मक रूप से अपनाएंगे तो जीवन में इसके कई फायदे हैं।

जर्मनी की मैनहायम यूनिवर्सिटी के रिसर्चरों ने कहा है कि लोगों को स्ट्रेस को लेकर अपनी मानसिकता बदलनी चाहिए। जब शोधकर्ताओं ने ऑफिस में काम करने वाले लोगों पर इसका असर देखा तो पाया कि जो लोग सकारात्मक सोच के साथ तनाव को डील करते हैं वो अपने काम के भार से ज्यादा बेहतर तरीके से निपट लेते हैं। इसी के साथ वो हफ्ते के अंत में तनाव से परेशान रहने के बजाए ज्यादा तरोताजा और चुस्त दिखते हैं।

मनोवैज्ञानिक डॉक्टर मेगन एर्रॉल बता रही हैं कि कैसे हम तनाव को लेकर अपना नजरिया बदल सकते हैं और उसे परेशानी के बजाए अपनी ताकत बना सकते हैं।

तनाव को बुरा क्यों माना जाता है

सबसे पहले ये समझना जरूरी है कि तनाव बुरा कैसे बन जाता है। दरअसल चाहे हम ऑफिस में हों या घर पर, जब भी काम करते हुए किसी जटिल स्थिति में आ जाते हैं तो हमारे दिमाग में कुछ कैमिकल निकलते हैं और साथ ही हार्मोन भी निकलते हैं। यही स्ट्रेस के लिए जिम्मेदार होते हैं।

अगर हम इस तनाव को झेल नहीं पाते तो हमारे शरीर भी मनोवैज्ञानिक रूप से थक जाता है और इसी लिए तनाव बुरा साबित होता है।

क्या होता तनाव का नजरिया

तनाव के नजरिये से मतलब है कि हम जीवन में सामने आने वाली दिक्कतों को मुसीबत मानकर झेलते हैं या फिर किसी नई और कठिन चुनौती के रूप में देखते हैं। तनाव के प्रति सकारात्मक नजरिया होता है उसे जीवन की एक चुनौती या अनुभाव मानना। इससे आपके शरीर में काम को करने की ऊर्जा आती है और आपकी एकाग्रती बढ़ती है।

वहीं दूसरी ओर अगर हम तनाव को बोझ, परेशानी या मुसीबत मानकर चलते हैं तो वो हमारी सेहत के लिए खतरनाक साबित को जाता है।

इस तरह बदलें तनाव को देखने का नजरिया

> जब भी आपके सामने कोई कठिनाई या तनावपूर्ण काम आए तो ये देखने की कोशिश करें कि उससे आप क्या सीथ पाएंगे। ऐसा सोचकर आप उसे बेहतर ढंग से सुलझा सकेंगे।

> हमें खुद के ऊपर ज्यादा भरोसा दिखाना चाहिए। आम तौर पर हम खुद ही अपनेआप पर काम को लेकर भरोसा नहीं दिखाते और ज्यादा सख्त हो जाते हैं। इसलिए ये जरूरी है कि तनाव वाली चीजों को आप अपने दोस्त की तरह देखें और उससे पार पाने के लिए खुद पर भरोसा जताएं।

> तनाव के नजरिया बदलने का तरीका एक ये भी है कि आप हर उस चुनौती के लिए खुद की सराहना करें जिससे आप उभर कर निकलें हैं। ऐसा करने से आगे जब भी आपके सामने कोई नही चुनौती आएगी तो आप उसे एक नए अनुभव के रूप में देखेंगे।

> जीवन में हर काम को हां करने की जरूरत नहीं है। कोशिश करें घर हो या ऑफिस अपने काम को लेकर सीमाएं तय कर लें।

हेल्थ टिप्स- सर्दियों के लिए संजीवनी है तेजपत्ता, दूर करता है कई बीमारियां

तेजपत्ता अर्थात बे लीव्स, इस मौसम में होने वाली आम समस्याओं जैसे सर्दी-जुकाम, फ्लू और संक्रमण के लक्षणों से लड़ने में कारगर होता है। सांस की समस्या से आराम दिलाने में भी तेजपत्ता फायदेमंद होता है। सांस की समस्या होने पर पानी उबाल लें और उसमें दो-तीन तेजपत्ते डालें। अब इसमें 10 मिनट तक भाप बनने दें। अब इस पानी में एक कपड़ा भिगोएं और उसे निचोड़कर सीने पर रखें। इससे फ्लू, सर्दी और खांसी कम हो जाती है।

तेजपत्ता के फायदे-

1- तेजपत्ते में कुछ ऐसे पोषक तत्व पाये जाते हैं, जिनमें कीमो सुरक्षात्मक गुण होते हैं। इसलिए यह पत्ता विभिन्न कैंसर से सुरक्षा में मददगार होता है।

2- तेजपत्ते से निकाले गए तेल में एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं, जिससे यह तेल मोच, अकड़न, गठिया और सामान्य दर्द में आराम दिलाता है।

3- तेजपत्ते को टाइप 2 डायबिटीज के इलाज में भी प्रभावी पाया गया है। यह रक्त ग्लूकोज, कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर में कमी करता है। तेजपत्ते की पत्तियों के पाउडर का एक महीने तक सेवन किया जा सकता है। इससे शरीर में शर्करा के स्तर को कम करने में सहायता मिलती है।

4- तेजपत्ता पाचन शक्ति को बढ़ाने में भी कारगर है। गर्म पानी के साथ तेजपत्ते को चाय की तरह पीने से कब्ज, एसिड, अनियमित मल त्याग आदि आम पाचन संबंधी विकार को कम करने में सहायता मिलती है। पांच ग्राम तेजपत्ते के साथ एक छोटा टुकड़ा अदरक को 200 मिलीलीटर पानी में अच्छी तरह उबाल लें। जब पानी एक चौथाई रह जाये तो इसमें शहद मिला लें। इसे दिन में दो बार पीने से अपच व सूजन की समस्या में राहत मिलती है।

5- तेजपत्ते में शामिल फाइटोन्यूट्रिएंट हृदय रोगों जैसे दिल के दौरे, स्ट्रोक आदि से बचाव करते हैं।

6- तेजपत्ता दांतों की चमक व सफेदी भी बढ़ाता है। इसके लिए हफ्ते में दो बार तेज पत्ते के पाउडर से मंजन करें।

7- सोते समय तेजपत्तों की कुछ बूंदों को पानी के साथ मिलाकर सेवन करने से नींद अच्छी आती है।

बदलें जीवनशैली दूर रहेंगी बीमारियां

अस्वस्थ जीवनशैली और खानपान की गलत आदतों के कारण होने वाली बीमारियों को जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां कहा जाता है। ये बीमारियां न तो संक्रमण से फैलती हैं, न ही आनुवंशिक होती हैं, हां आनुवंशिक कारक इनमें प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। शारीरिक सक्रियता की कमी, तनाव के बढ़ते स्तर, अनिद्रा, जंक फूड के सेवन और गैजेट्स के बढ़ते चलन से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। पहले इन बीमारियों को वयस्कों की बीमारी माना जाता था, लेकिन अब ये तेजी से युवाओं को ही नहीं, बच्चों को भी अपना शिकार बना रही हैं।

अस्वस्थ जीवनशैली और खानपान की गलत आदतों के कारण होने वाली बीमारियों को जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां कहा जाता है। ये बीमारियां न तो संक्रमण से फैलती हैं, न ही आनुवंशिक होती हैं, हां आनुवंशिक कारक इनमें प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। शारीरिक सक्रियता की कमी, तनाव के बढ़ते स्तर, अनिद्रा, जंक फूड के सेवन और गैजेट्स के बढ़ते चलन से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। पहले इन बीमारियों को वयस्कों की बीमारी माना जाता था, लेकिन अब ये तेजी से युवाओं को ही नहीं, बच्चों को भी अपना शिकार बना रही हैं। अनुशासित जीवनशैली द्वारा न केवल इनसे बचा जा सकता है, बल्कि अगर आप अपनी खराब जीवनशैली और किन्हीं अन्य कारणों से इनकी चपेट में आ जाएं तो अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाकर इन्हें नियंत्रित भी किया जा सकता है।

जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां

हृदय रोग

कोई भी असामान्यता, जो हृदय की मांसपेशियों और रक्त नलिकाओं की दीवार को प्रभावित करती है, उसे हृदय रोग कहा जा सकता है। धूम्रपान, डाइबिटीज और कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर इनका खतरा बढ़ा देता है। विश्व में हृदय रोग से पीड़ित लोगों में भारत का नंबर पहला है। हमारे देश में 5 करोड़ लोग हृदय रोगों से पीड़ित हैं। इनसे मरने वाले 30-40 प्रतिशत लोग 34 से 64 आयु वर्ग के होते हैं।

प्रारंभिक/ शुरुआती लक्षण

0 छाती में बेचैनी और भारीपन महसूस होना।
0 छाती में दर्द के साथ सांस फूलना।
0 अत्यधिक पसीना आना।
0 लगातार चक्कर आना, थकान या कमजोरी।

लक्षणों की अनदेखी करने के परिणाम

जब एक बार दिल बीमार हो जाता है तो उसकी कार्यप्रणाली लगातार कम होती जाती है और वह उतना रक्त पंप नहीं कर पाता, जितनी हमारे शरीर को आवश्यकता होती है। एक स्थिति ऐसी आती है, जब यह काम करना लगभग बंद कर देता है। जब हृदय पूरी तरह खराब हो चुका हो, तब उसे प्रत्यारोपित कराना ही एकमात्र विकल्प होता है, लेकिन सबसे बड़ी समस्या यह है कि हृदय मिलना अत्यंत कठिन है।

रोकथाम

0 अपना रक्तदाब नियंत्रित रखें।
0 अपना भार औसत रखें।
0 संतुलित और पोषक भोजन का सेवन करें।
0 अपने भोजन में नमक की मात्रा कम करें।
0 धूम्रपान और शराब का सेवन बंद करें।
0 तनाव न लें।

टाइप 2 डाइबिटीज

डाइबिटीज तब होती है, जब अग्नाशय पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन नहीं बना पाता या जब शरीर प्रभावकारी तरीके से अपने द्वारा स्रावित उस इंसुलिन का उपयोग नहीं कर पाता। इंसुलिन एक हार्मोन है, जो रक्त की शर्करा को नियंत्रित रखता है। अनियंत्रित डाइबिटीज के कारण रक्त में शर्करा का स्तर काफी बढ़ जाता है, जिसे हाइपरग्लाइसेमिया कहते हैं।

प्रारंभिक/ शुरुआती लक्षण

0 प्यास अधिक लगना।
0 बार-बार पेशाब आना।
0 तेजी से वजन घटना या बढ़ना।
0 खाने के बाद भी भूख लगना।
0 थकान महसूस करना।

लक्षणों की अनदेखी करने के परिणाम

डाइबिटीज की सबसे गंभीर बात यह है कि यह बीमारी नहीं, बल्कि मेटाबॉलिक सिंड्रोम है, जो कई बीमारियों का घर है। इससे शरीर का हर अंग प्रभावित होता है। अगर समय रहते इसका पता नहीं चल पाए और इसे नियंत्रित नहीं किया जाए तो किडनी फेल होने, ब्रेन स्ट्रोक, रेटिनोपैथी, हार्ट अटैक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

रोकथाम

0 डाइबिटीज जीवनशैली से जुड़ी एक लाइलाज बीमारी है। इसे पूरी तरह ठीक नहीं किया जा सकता।
0 खनपान को नियंत्रित कर, नियमित रूप से एक्सरसाइज और उचित दवाओं के सेवन से नियंत्रित किया जा सकता है।
0 रोजाना नियत समय पर खाना खाएं। दिन में तीन बार मेगा मील खाने की बजाय छह बार मिनी मील खाएं। इससे रक्त में शुगर के स्तर में अत्यधिक उतार-चढ़ाव नहीं होगा।

उच्च रक्तदाब

हाइपरटेंशन या हाई ब्लड प्रेशर में धमनियों में रक्तदाब बढ़ जाता है, जिससे हृदय को रक्त नलिकाओं में रक्त के संचरण के लिए सामान्य से अधिक परिश्रम करना पड़ता है। हृदय जितना ज्यादा रक्त पंप करेगा और धमनियां जितनी संकरी होंगी, ब्लड प्रेशर उतना ही ज्यादा होगा। एक सर्वे के अनुसार भारत के महानगरों के लगभग 25 प्रतिशत लोग हाइपरटेंशन से ग्रस्त हैं। तनाव, मोटापा, खानपान की गलत आदतें उच्च रक्तदाब के प्रमुख रिस्क फैक्टर्स माने जाते हैं।

प्रारंभिक/ शुरुआती लक्षण

0 तेज सिरदर्द।
0 सिर में भारीपन।
0 कमजोरी महसूस होना।
0 चिड़चिड़ापन।
0 नींद न आना।

लक्षणों की अनदेखी करने के परिणाम

उच्च रक्तदाब का स्थायी उपचार संभव नहीं है, लेकिन इसे नियंत्रित रखना बहुत जरूरी है। रक्त का दाब बढ़ने से हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, किडनी और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

रोकथाम

0 शारीरिक रूप से सक्रिय रहें।
0 संतुलित और पोषक भोजन का सेवन करें।
0 घर का बना सादा खाना खाएं, जंक फूड और बाहर के खाने से बचें।
0 अपने भोजन में नमक की मात्रा कम रखें।
0 अधिक से अधिक फल और सब्जियों का सेवन करें।

अवसाद

तेज रफ्तार जिंदगी में हर कोई काम, सफलता, पैसे और पद के पीछे भाग रहा है। संबंधों में भी अब पहले जैसी मधुरता नहीं रही। लोग आत्मकेंद्रित हो गये हैं, जिससे अकेलापन बढ़ा है। खानपान की आदतें बदल गई हैं। स्लीप पैटर्न भी गड़बड़ा गया है। इनके कारण मस्तिष्क पर हमेशा एक दबाव बना रहता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। पूरे विश्व में अवसाद और दूसरे मानसिक रोगों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक हमारे देश में 20-25 फीसदी युवा डिप्रेशन के शिकार हैं।

प्रारंभिक/ शुरुआती लक्षण

0 लोगों से कटे-कटे रहना।
0 नींद न आना।
0 चिड़चिड़ा और आक्रामक व्यवहार।
0 आत्मविश्वास की कमी।
0 किसी काम में मन न लगना।

लक्षणों को नजरअंदाज करने के परिणाम

लक्षणों को नजरअंदाज करने से अवसाद की समस्या गहरी हो सकती है, जिससे जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। हिंसक प्रवृत्ति और आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के अनुसार युवा लोगों में मौत की सबसे बड़ी वजह आत्महत्या है और आत्महत्या की सबसे बड़ी वजह डिप्रेशन है।

रोकथाम

0 स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, जिसमें एक्सरसाइज, पोषक भोजन, पर्याप्त नींद शामिल हो तथा शराब, धूम्रपान और दूसरी नशीली चीजों के लिए कोई स्थान न हो।
0 प्राथमिकताएं तय करें। अपनी क्षमता से अधिक कार्य न करें और नियमित रूप से ब्रेक लेने का निर्णय लें।
0 गैजेट्स के साथ कम से कम समय बिताएं।
0 सामाजिक रूप से सक्रिय रहें।
0 मानसिक शांति के लिए ध्यान करें।

कैंसर

प्रारंभिक/ शुरुआती लक्षण

जब हमारे शरीर के किसी भी भाग में कैंसर पनपता है तो कुछ लक्षण दिखाई देते हैं। ये लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि कैंसर कहां है, किस आकार का है और इसके कारण उस अंग या ऊतकों को कितना नुकसान पहुंचा है।

0 शरीर में कहीं भी उभार दिखाई दे।
0 लंबे समय तक खांसी-गले में खराश।
0 मल त्यागने की आदतों में बदलाव।
0 शरीर और सिर में तेज दर्द।

लक्षणों की अनदेखी के परिणाम

कैंसर केवल एक बीमारी नहीं है, बल्कि कई बीमारियों की चेतावनी है। कैंसर की शुरुआत शरीर के एक भाग या अंग से होती है, लेकिन अगर समय रहते उपचार न किया जाये तो यह शरीर के अन्य भागों और अंगों में भी फैल जाता है। इसके परिणामस्वरूप एक गंभीर स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिसका उपचार मुश्किल हो जाता है।

रोकथाम

0 अपना भार औसत बनाए रखें।
0 शारीरिक रूप से सक्रिय रहें।
0 धूम्रपान और तंबाकू का सेवन न करें।
0 अत्यधिक वसायुक्त भोजन का सेवन न करें और मीठे ड्रिंक्स से बचें।
0 पादप उत्पाद को अपने भोजन में अधिक से अधिक शामिल करें।

हमारे विशेषज्ञ

डॉ. एस.के.मुंद्रा, विभागाध्यक्ष, इंटरनल मेडिसिन, सरोज सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, दिल्ली और डॉ.एम.के. सिंह, एम.डी., कंसल्टेंट फिजिशियन, फ्लोरेंस हॉस्पिटल, गाजियाबाद

भारत का एकमात्र सूर्य मंदिर जो पूर्वाभिमुख न होकर

पश्चिमाभिमुख है

बिहार के औरंगाबाद जिले के देव स्थित ऐतिहासिक त्रेतायुगीन पश्चिमाभिमुख सूर्य मंदिर अपनी विशिष्ट कलात्मक भव्यता के लिए सर्वविदित और प्रख्यात होने के साथ ही सदियों से देशी-विदेशी पर्यटकों, श्रद्धालुओं और छठ व्रतियों की अटूट आस्था का केंद्र बना हुआ है।

मंदिर की अभूतपूर्व स्थापत्य कला, शिल्प, कलात्मक भव्यता और धार्मिक महत्ता के कारण ही जनमानस में यह किंवदंति प्रसिद्ध है कि इसका निर्माण देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा ने स्वयं अपने हाथों से किया है। देव स्थित भगवान भास्कर का विशाल मंदिर अपने अप्रतिम सौंदर्य और शिल्प के कारण सदियों से श्रद्धालुओं, वैज्ञानिकों, मूर्तचोरों, तस्करों एवं आमजनों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

काले और भूरे पत्थरों की अति सुंदर कृति जिस तरह उड़ीसा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर का शिल्प है। ठीक उसी से मिलता-जुलता शिल्प देव के प्राचीन सूर्य मंदिर का भी है। मंदिर के निर्माणकाल के संबंध में उसके बाहर ब्राह्मी लिपि में लिखित और संस्कृत में अनुवादित एक श्लोक जड़ा है जिसके अनुसार 12 लाख 16 हजार वर्ष त्रेता युग के बीत जाने के बाद इलापुत्र पुरू रवा ऐल ने देव सूर्य मंदिर का निर्माण आरंभ करवाया। शिलालेख से पता चलता है कि सन् 2014 ईस्वी में इस पौराणिक मंदिर के निर्माण काल का एक लाख पचास हजार चौदह वर्ष पूरा हो गया है।

देव मंदिर में सात रथों से सूर्य की उत्कीर्ण प्रस्तर मूर्तियां अपने तीनों रूपों- उदयांचल-प्रात- सूर्य मध्यांचल- मध्य सूर्य और अस्तांचल-अस्त सूर्य के रूप में विमान है। पूरे भारत में देव का मंदिर ही एकमात्र ऐसा सूर्य मंदिर है जो पूर्वाभिमुख न होकर पश्चिमाभिमुख है।

करीब एक सौ फीट ऊंचा यह सूर्य मंदिर स्थापत्य और वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण है। बिना सीमेंट अथवा चूना-गारा का प्रयोग किए आयताकार, वर्गाकार, आवर्तकार, गोलाकार, त्रिभुजाकार आदि कई रूपों और आकारों में काटे गए पत्थरों को जोड़कर बनाया गया। यह मंदिर अत्यंत आकर्षक एवं विस्मयकारी है।

जनश्रुतियों के आधार पर इस मंदिर के निर्माण के संबंध में कई किंवदंतियां प्रसिद्ध है जिससे मंदिर के अति प्राचीन होने का स्पष्ट पता तो चलता है लेकिन इसके निर्माण के संबंध में अभी भी भ्रामक स्थिति बनी हुई है। निर्माण के मुद्दे को ल ेकर इतिहासकारों और पुरातत्व विशेषज्ञों के बीच चली बहस से भी इस संबंध में ठोस परिणाम प्राप्त नहीं हो सके हैं। सूर्य पुराण से संबंधित प्रचारित जनश्रुति के अनुसार ऐल एक राजा थे। जो किसी ऋषि के शापवश श्वेत कुष्ठ रोग से पीड़ित थे। वे एक बार शिकार करने देव के वनप्रांत में पहुंचने के बाद राह भटक गए। राह भटकते भूखे-प्यासे राजा को एक छोटा सा सरोवर दिखायी पड़ा जिसके किनारे वे पानी पीने गए और अंजुली में भरकर पानी पिया। पानी पीने के क्रम में वे यह देखकर घोर आश्चर्य में पड़ गए कि उनके शरीर के जिन जगहों पर पानी का स्पर्श हुआ उन जगहों के श्वेत कुष्ठ के दाग जाते रहे। इससे अति प्रसन्न और आश्चर्यचकित राजा सरोवर के गंदे पानी में लेट गए और इससे उनका श्वेत कुष्ठ पूरी तरह जाता रहा।

शरीर में आश्चर्यजनक परिवर्तन देख प्रसन्नचित राजा ऐल ने इसी वन में रात्रि विश्राम करने का निर्णय लिया और रात्रि में राजा को स्वप्न आया कि उसी सरोवर में भगवान भास्कर की प्रतिमा दबी पड़ी है। प्रतिमा को निकालकर वहीं मंदिर बनवाने और उसमें प्रतिष्ठित करने का निर्देश उन्हें स्वप्न में प्राप्त हुआ। कहा जाता है कि राजा ऐल ने इसी निर्देश के मुताबिक सरोवर से दबी मूर्त को निकालकर मंदिर में स्थापित कराने का काम किया और सूर्य कुंड का निर्माण कराया लेकिन मंदिर यथावत रहने के बावजूद उस मूर्त का आज तक पता नहीं है। जो अभी वर्तमान मूर्त है वह प्राचीन अवश्य है लेकिन ऐसा लगता है मानो बाद में स्थापित किया गया हो। मंदिर परिसर में जो मूर्तियां हैं वे खंडित तथा जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं।

मंदिर निर्माण के संबंध में एक कहानी यह भी प्रचलित है कि इसका निर्माण एक ही रात में देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा ने अपने हाथों किया था। कहा जाता है कि इतना सुंदर मंदिर कोई साधरण शिल्पी बना ही नहीं सकता। इसके काले पत्थरों की नक्काशी अप्रितम है और देश में जहां भी सूर्य मंदिर हैं उनका मुंह पूर्व की ओर है लेकिन यहीं एक मंदिर है जो सूर्य मंदिर होते हुए भी प्रातःकालीन सूर्य की रश्मियों का अभिषेक नहीं कर पाता वरन अस्तांचलगामी सूर्य की किरणें ही मंदिर का अभिषेक करती हैं।

घर पर ही प्राप्त करें तीर्थ स्थानों को

नमस्कार करने का फल

जिस घर में तुलसी का प्रतिदिन पूजन होता है उस घर में धन-संपदा, वैभव, सुख समृद्धि स्थायी रूप से निवास करती हैं। भगवान श्री हरि विष्णु की तुलसी दल से पूजा करने पर व्रत, यज्ञ, जप, होम, हवन करने का पुण्य फल प्राप्त होता है। मंगल, शुक्र, रवि, अमावस्या, पूर्णिमा, द्वादशी, रात्रि और संध्या काल में तुलसी दल नहीं तोड़ना चाहिए।

धर्मशास्त्रों के अनुसार तुलसी के आठ नाम बताए गए हैं- वृंदा, वृंदावनि, विश्व पूजिता, विश्व पावनी, पुष्पसारा, नन्दिनी, तुलसी और कृष्ण जीवनी। इन आठ नामों का सहारा लेने से जीवन की समस्त बाधाओं से मुक्ति मिलती है और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। प्रेम, विश्वास और विधि के साथ तुलसी पूजन करने से आदि, मध्य और अन्त तीनों ही कालों में कल्याण होता है।

तुलसी की पूजा करने के उपरांत इस प्रकार से प्रार्थना करने पर तीर्थ स्थानों को नमस्कार करने का फल प्राप्त होता है।

मैं उस तुलसी को नमस्कार करता हूं जिसके मूल में सभी तीर्थ स्थान हैं शिखर पर सभी देवी-देवताओं का निवास है और जिसके मध्य में सभी वेद भगवान रहते हैं।

तुलसी के पत्ते तोड़ते समय बोलने के मंत्र
सुभद्राय नमः
तुलसी को जल देने का मंत्र
महाप्रसाद जननी, सर्व सौभाग्यवर्धिनी
आधि व्याधि हरा नित्यं, तुलसी त्वं नमोस्तुते।।
तुलसी स्तुति का मंत्र
देवी त्वं निर्मिता पूर्वमर्चितासि मुनीश्वरैः
नमो नमस्ते तुलसी पाप हर हरिप्रिये।।

इस मंदिर में पिता ने की थी पुत्र की पूजा

गणपति जी के आठ प्रमुख मंदिरों में से एक है महागणपति मंदिर जो रांजणगांव में पुणे अहमदनगर राजमार्ग पर 50 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है। इतिहास पर दृष्टिपात करने से ज्ञात होता है की यह मंदिर 9वीं और 10वीं सदी के मध्य बोंद में आया।

शिव जी ने त्रिपुरासुर के साथ युद्ध करने से पूर्व गणेश जी की पूजा की थी तत्पश्चात मंदिर का निर्माण करवाया। तब यह स्थान मणिपुर के नाम से जाना जाता था पर आज इसे लोग रांजणगांव कहते हैं। शिव जी ने दैत्यराज त्रिपुरासुर को गणेश जी के आशीर्वाद से पराजित किया था इसलिए इन्हें त्रिपुरारी महागणपति के रूप में भी पूजा जाता है। तभी तो मंदिर में विराजित इनका स्वरूप हथियारों से सुसज्जित है।

मुस्लिम हमलों के डर से गणपति जी का वास्तविक स्वरूप मंदिर के एक तहखाने में छिपाया हुआ है। मंदिर में विराजित गणेश जी की प्रतिमा को मालेतक भी कहा जाता है क्योंकि इसकी 10 सूंड़ और 20 हाथ हैं। गणेश जी की प्रतिमा बैठे आसन में दिखाई देती है और उनके ईर्द-गिर्द रिद्धी-सिद्धी की प्रतिमाएं हैं। भव्य प्रवेश द्वार में अलंकृत महागणपति मंदिर पूर्वमुखी है। जय और विजय दो द्वारपाल हैं जिनकी प्रतिमाएं मुख्य द्वार पर अवस्थित हैं। भोर फटते ही सूरज की पहली किरण सीधी प्रतिमा पर पड़ती है। श्री अष्टविनायक गणपति स्वरूपों में महागणपति गणेश जी का सबसे शक्तिशाली प्रतिरूप है।

अक्षरधाम मन्दिर

कला व कल्पना का बेजोड़ नमूना

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड ने हिन्दुओं के सबसे बड़े मन्दिर का दर्जा दिया है यमुना तट पर बने दिल्ली के स्वामी नारायण अक्षरधाम मन्दिर को। यह मन्दिर इंसान की कला व कल्पना का बेजोड़ नमूना है। 8 नवम्बर 2000 को इस मंदिर का निर्माण आरंभ हुआ और 6 नवम्बर 2006 को मुख्य स्वामी महाराज, भारत के पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे अब्दुल कलाम और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की संयुक्त उपस्थिति में अक्षरधाम संकुल का भव्य उद्घाटन समारोह हुआ। 100 एकड़ की भूमि पर बना यह भव्य मन्दिर 5 वर्ष में बन कर पूरा हुआ।अक्षरधाम मंदिर में भारत की 10 हजार साल पुरानी रहस्यमय सांस्कृतिक धरोहर मौजूद है।इस मंदिर में 234 खंभे, नौका विहार की सुविधा, सिनेमाघर और करीब 20 हजार मूर्तियां है, जो इसे दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर बनाती है।इस मंदिर में कहीं भी कंक्रीट या स्टील का इस्तेमाल नहीं हुआ है।मंदिर का पूर्ण निर्माण लाल-गुलाबी सैन्ड स्टोन तथा सफेद संगमरमर से हुआ है, जो 141 फीट ऊंचा,316 फीट चौड़ा तथा 356 फीट लम्बा है।अक्षरधाम में नक्काशीदार 234 स्तम्भ, 9 विशाल गुम्बद, 20 शिखर तथा 20000 से भी अधिक तराशी हुई मनमोहक कलाकृतियां हैं। मंदिर परिसर में सामने ही भगवान स्वामी नारायण की स्वर्ण मंडित बड़ी सी प्रतिमा है और साथ ही उनके शिष्यों की भी जिन्होंने उनके पथ को आगे बढ़ाया। मंदिर की दूसरी मंजिल पर भगवान स्वामी नारायण के जीवन से जुड़ी वस्तुएं रखी हैं, जिनमें बैल गाड़ी से लेकर चमड़े की थैली, कंघी, और उनका दांत भी है। उनके दांत में दर्द होने पर एक सोनार से उन्होंने दांत निकलवाया था। यह दांत सोनार के परिवारवालों ने संस्थान को भेंट किया। मंदिर वास्तु एवं शिल्प का उत्कृष्ट नमूना है। इसका विशाल स्वरूप मनमोहक है। मंदिर परिसर में लाईट एन्ड साऊंड शो दिखाया जाता है लेजर लाईट के साथ। भारत में पर्यटन की उपयुक्त क्षमता है और सभी प्रकार के देशी-विदेशी पर्यटकों को, आकृष्ट करने के लिए अक्षरधाम सही आकर्षण है। मंदिर में नए अनुभव, ज्ञान और मनोरंजन के ढेरों साधन उपलब्ध हैं।

ऐसे उत्तरा हनुमान भक्त की परीक्षा

लेने वाले का भूत

कहते हैं कि श्रद्धा और भक्ति के साथ की गई आराधना में बहुत शक्ति होती है। तुलसीदास जी कहते हैं कि प्रभु अपने भक्तों की लाज बचाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं और भक्तों की लाज जाने नहीं देते? रामभक्त हनुमान जी चिरंजीवी हैं। भगवान श्री राम के परम-धाम गमन के समय उन्होंने श्री राम कथा श्रवण के लिए चिरजीवी होने का वरदान मांगा था।

अयोध्या के पहुंचे हुए संत श्री रामायण कथा सुना रहे थे। रोज एक घंटा प्रवचन करते किसने ही लोग आते और आनंद विभोर होकर जाते। साधु का नियम था रोज कथा शुरू करने से पहले आइए हनुमत जी विराजिए कहकर हनुमान जी का आह्वान करते थे। फिर एक घंटा प्रवचन करते थे।

एक वकील हर रोज कथा सुनने आते। उनकी बुद्धि तेज थी। उन्हें लगा कि महाराज रोज आइए हनुमत विराजिए कहते हैं तो क्या हनुमान जी आते होंगे? अतः वकील ने महाराज से पूछा, महाराज जी! आप रामायण की कथा बहुत अच्छी कहते हो। परंतु जहां रामायण की कथा हो वहां हनुमान जी है? आप गद्दी देते हो वहां हनुमान जी हैं?

साधु ने कहा, हां यह मेरा व्यक्तिगत विश्वास है।

वकील ने कहा, नहीं आप लोगों को प्रवचन सुना रहे हो तो सबको साबित करके दिखाना चाहिए। हनुमान जी है इसका क्या सबूत है?

महाराज जी ने बहुत कहा कि मुझे कसौटी पर नहीं उतरना है साबित नहीं करना है। व्यक्तिगत श्रद्धा का विषय है। आप कहो तो मैं प्रवचन बंद कर दूं या आप आना छोड़ दो।

वकील माना नहीं। नहीं आप साबित करो इस तरह संघर्ष बढ़ता गया। संघर्ष की भी मर्यादा होती है। साधु ने कहा, हनुमान जी है या नहीं उसका वकील कल दिलाऊंगा। कल कथा शुरू हो तब प्रयोग करूंगा।

साधु ने कहा, जिस गद्दी पर मैं हनुमान जी को विराजित होने को कहता हूं आप उस गद्दी को घर ले जाना और कल आए तब गद्दी लेकर आना मैं कल गद्दी वहां रखूंगा। मैं कथा करने से पहले हनुमान जी को बुलाऊंगा। फिर आप गद्दी ऊंची करना। यदि आपने गद्दी ऊंची कर ली तो समझना कि हनुमान जी नहीं है।

वकील बोला, हां बिल्कुल ठीक है।

साधु ने कहा, हम-दोनों में से जो पराजित होगा वह क्या करेगा? यह तो सत्य की परीक्षा है।

वकील ने कहा, मैं गद्दी ऊंची न कर सका तो वकालत का धंधा छोड़कर आपसे दीक्षा लूंगा और आप पराजित हो गए तो क्या करोगे?

साधु ने कहा, मैं कथावाचन छोड़कर तुम्हारे ऑफिस का चपरासी बन जाऊंगा।

अगले दिन कथा पंडाल में जो हर रोज नहीं आते थे वे भी अगले दिन इस भक्ति, प्रेम और विश्वास को देखने आए। काफी भीड़ हो गई। श्रद्धा और विश्वास का प्रश्न था।

साधु कथा पंडाल में पधारे। वकील जी आए, गद्दी रखी गई। महात्मा जी ने सजल नेत्रों से आज मंगलाचरण किया और फिर बोले आइए हनुमंत जी पधारिए।

ऐसा बोलते ही साधु जी की आंखें सजल हो उठीं। मन ही मन साधु जी बोले, प्रभु! आज मेरा नहीं रघुकुल-रीति की परंपरा का सवाल है। मैं तो एक साधारण जन हूं। कृपया मेरी भक्ति और आस्था की लाज रखें।

फिर वकील साहब को निमंत्रण दिया, आइए गद्दी ऊंची कीजिए।

लोगों के नेत्र एकत्र होकर एकटक वकील को निहारने लगे। वकील खड़े हुए उन्होंने गद्दी लेने के लिए हाथ बढ़ाया पर वे गद्दी स्पर्श न कर सके। जो भी कारण हो उन्होंने तीन बार हाथ बढ़ाया परन्तु तीनों बार असफल रहे। महात्मा जी देख रहे थे। पकड़ना तो दूर की गद्दी को छू भी न सके। तीनों बार वे पसीने से तर-बतर हो गए।

वह वकील साधु के चरणों में गिर पड़े और बोले, महाराज! उठाने का मुझे मालूम नहीं पर मेरा हाथ गद्दी तक पहुंच नहीं सकता। अतः मैं अपनी हार कबूल करता हूं।

और फिर वकील ने साधु के पास दीक्षा ले ली। हनुमान जी का होना निर्विवाद हकीकत है। वे प्रथम कक्षा के श्रोता और वक्ता हैं।

सार-समाचार

तृतीय श्रेणी अध्यापकों के कट ऑफ मार्स जारी

जयपुर, 27 जनवरी (कासं.)। राजस्थान प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती 2016 (संशोधित) के क्रम में विज्ञापन संख्या 01/ 2017 के तहत गैर अनुसूचित क्षेत्र (नोन टीएसपी एरिया) के लिए दस्तावेज सत्यापन हेतु चयनित अभ्यर्थियों के वर्गवार कट ऑफ मार्क्स जारी किए गए हैं। प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक, बीकानेर पी. सी. किशन ने बताया कि राजस्थान प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती 2016(संशोधित) गैर अनुसूचित क्षेत्र के विज्ञापित पदों की संख्या तक अभ्यर्थियों द्वारा ऑन लाईन भरे गए आरटीईटी 2011/आरटीईटी 2012/आरईईटी 2015 के अधिकतम प्राप्तांक प्रतिशत का 70 प्रतिशत एवं स्नातक परीक्षा के कुल प्राप्तांक प्रतिशत का 30 प्रतिशत लिया जाकर कुल 100 प्रतिशत के आधार पर दस्तावेज सत्यापन के लिए वर्गवार कट ऑफ मार्क्स जारी किए गए हैं। कट ऑफ मार्क्स विभागीय वेबसाइट education. rajasthan. gov.in/ elementary पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि द्वितीय स्तर पर हिन्दी विषय में 100 पदों के लिए, अंग्रेजी में 4 हजार 768 पदों, विज्ञान/गणित में 927 पदों पर, विशेष शिक्षक के 78 सहित कुल 5 हजार 873 पदों के लिए कट ऑफ मार्क्स जारी किए गए हैं। दस्तावेज सत्यापन हेतु चयनित अभ्यर्थियों की प्रोविजनल सूची व जिला आवंटन की सूची पृथक से विभागीय वेबसाइट पर जारी की जाएगी। यह परिणाम उच्च न्यायालय जोधपुर/जयपुर में विभिन्न विषयक लम्बित प्रकरणों के अंतिम निर्णय के अध्याधीन व राज्य सरकार स्तर पर लिए जाने वाले अंतिम निर्णयानुसार रहेगा।

गुजरात जाएंगे जयपुर सभाग के एक हजार तीर्थ यात्री

जयपुर, 27 जनवरी (कासं.)। दीन दयाल उपाध्याय वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत रविवार, 28 जनवरी, 2018 को जयपुर सम्भाग के विभिन्न जिलों के एक हजार वरिष्ठ नागरिक ट्रेन द्वारा द्वारकापुरी, गुजरात की यात्रा के लिए रवाना होंगे। ट्रेन रविवार को जयपुर रेल्वे स्टेशन से सुबह 11.30 बजे रवाना होगी।

आज पिलायी जायेगी पोलियो खुराक

जयपुर, 27 जनवरी (कासं.)। पल्स पोलियो अभियान के तहत 28 जनवरी रविवार को प्रदेश में 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलायी जायेगी। इन बच्चों को पोलियो खुराक पिलाने के लिए 53 हजार 960 पोलियो बूथ स्थापित किये जा रहे हैं। निदेशक आरसीएच डॉ. एसएम मित्तल ने बताया कि 5 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को पोलियो खुराक पिलाया जाना सुनिश्चित करने एवं सघन मानिटरिंग के निर्देश दिये हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में टीकाकर्मियों को पोलियो खुराक पिलाने के लिए तैनात किया गया है। पर्यवेक्षण के लिये कुल 8 हजार 369 पर्यवेक्षक तैनात किये गये हैं। रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन इत्यादि के लिए 2 हजार 199 ट्रांजिट बूथ बनाये गये हैं। इनके अतिरिक्त दूर-दराज की ढाणियों में पोलियो खुराक पिलाने के लिए 3 हजार 331 मोबाईल पोलियो बूथ स्थापित किये गये है। रविवार को पोलियो बूथ पर नहीं आ पाने वाले बच्चों के लिए 29 व 30 जनवरी को घर-घर जाकर पोलियो खुराक पिलाने की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो बूथ पर लाकर दो बूंद जिंदगी की - पोलियो खुराक अवश्य पिलायें।

राजपथ पर भी दिखी राजस्थानी संस्कृति की अमिट झलक

जयपुर, 27 जनवरी (कासं.)। नई दिल्ली के राजपथ पर आयोजित 69 वें गणतंत्र दिवस समारोह के भव्य आयोजन में एक और जहाँ देश व दुनियां को भारत के शौर्य एवं सांस्कृतिक झांकी का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, वहीं राजस्थान की बहुरंगी संस्कृति की यादगार झलक भी देखने को मिली। समारोह में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और दस आसियान देशों के राष्ट्राध्यक्षों की गरिमामय उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान का पंचरंगी जोधपुरी साफा पहन कर प्रदेश का मान बढ़ाया। इसी प्रकार आसियान देशों के प्रतिनिधि अपने जीवन साथियों के साथ राजस्थानी बन्धेज के दुपट्टे पहने दिखे। परेड में शामिल विश्व के एकमात्र कैमल बैंड दस्ते में शामिल पश्चिम राजस्थान के बी एस एफ के जवानों ने सभी का मन मोह लिया। साथ ही सीमा सुरक्षा बल के जवानों और रंग बिरंगे परिधानों से सजे धजे ऊँटो के साथ कुलदीप जे.चौधरी के नेतृत्व में निकले बी एस एफ के ऊँट दस्ते ने राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत धुन के साथ राजपथ पर अपनी धाक जमाई।

लघु उद्योग औद्योगिक विकास की रीढ़, संरक्षण व संवर्द्धन के लिए आगे आ रही है सरकार-एसीएस उद्योग

जयपुर, 27 जनवरी (कासं.)। अतिरिक्त मुख्य सचिव राजीव स्वरुप ने कहा है कि सूक्ष्म एवं लघु उद्योग औद्योगिक विकास की रीढ़ है और सर्वाधिक रोजगार के अवसर एमएसएमई उद्योगों के माध्यम से ही उपलब्ध होते हैं। उन्होंने बताया कि सरकार लघु उद्योगों के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए आगे आ रही है। राजीव स्वरुप शनिवार को उद्योग विभाग व भारत सरकार के एमएसएमई द्वारा बाईस गोदाम में आयोजित जयपुर परिधान एक्सपो,18 के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने फीता काटकर एक्सपो का उद्घाटन किया और उपनिदेशक विकास गुप्ता, जयपुर कुर्ती एसोसिएशन के अध्यक्ष महावीर टेलर, जयपुर एम्ब्रायडरी एसोसिएशन के महासचिव सत्येन्द्र गुप्ता और अध्यक्ष कोवे निधि तोषणीवाल के साथ एक-एक स्टॉल का अवलोकन किया और प्रतिभागियों से विस्तार से जानकारी ली। राजीव स्वरुप ने कहा कि गारमेंट सेक्टर में जयपुर पूरे देश मेंअग्रणीहै और यहां से समूचे देश में ही नहीं विदेशों में निर्यात हो रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार एमएसएमई सेक्टर के विकास व संवर्द्धन के लिए कार्य कर रही है।

एमएसएमई के उपनिदेशक विकास गुप्ता ने बताया कि जयपुर में इस तरह का पहला प्रयास किया जा रहा है जहां सरकारी प्रयासों से देश के परिधान क्षेत्र से जुडे लोगों को साझा मंच उपलब्ध कराया गया है।

जयपुर परिधान एसपो शुरु

गुप्ता ने बताया कि परिधान में 138 स्टॉलों में परंपरागत डिजाइनों के साथ ही एथनिक, परंपरागत, डिजाइनर खादी, वेडिंग वियर, मेडअप्स आदि प्रदर्शित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि परिधान में बीटूबी, बीटूसी, तकनीकी सत्रों में सीधा संवाद कायम किया जाएगा। जयपुर कुर्ती एसोसिएशन के अध्यक्ष महावीर टेलर, जयपुर एम्ब्रायडरी एसोसिएशन के महासचिव सत्येन्द्र गुप्ता और कोवे अध्यक्ष निधि तोषणीवाल ने बताया कि उद्योग विभाग व एमएसएमई के इस तरह के प्रयासों से प्रदेश में गारमेंट और बूटिक व्यवसाय को नई दिशा मिल सकेगी। उपनिदेशक प्रदीप ओझा ने बताया कि परिधान में राजस्थान सहित 14 प्रदेशों की संस्थाएं हिस्सा ले रही हैं। परिधान में प्रतिदिन रामाज, आईएनएफडी और आर्च द्वारा डिजाइनरों द्वारा फैशन शो का भी आयोजन किया जा रहा है। परिधान में टेक्सटाइल व गारमेंट मशीनरी भी प्रदर्शित की गई है।

विद्याधर नगर क्षेत्र की नींदड़ गांव और ढाणियों को अगले दो महीनों में मिलेगा बीसलपुर का मीठा पानी

क्षेत्रीय विधायक नरपत सिंह राजवी ने किया योजना का शिलान्यास

जयपुर, 27 जनवरी (कासं.)। बीसलपुर पेयजल परियोजना से जयपुर की कॉलोनियों को जोड़ने की कड़ी में शनिवार को विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में नींदड़ ग्राम व ढाणियों के निवासियों को मीठा पानी उपलब्ध कराने के लिए पेयजल पाइपलाइन बिछाने के कार्य का शिलान्यास क्षेत्रीय विधायक नरपत सिंह राजवी ने किया। अधिशाषी अभियंता अजय सिंह राठौड़ ने बताया कि इस योजना के लिए सरकार ने माह नवंबर 17 में राशि रुपये 94 लाख स्वीकृत की थी। इससे क्षेत्र के लगभग 10 हजार से ज्यादा बाशिंदों को आगामी दो महीनों में पानी उपलब्ध होने लगेगा। शिलान्यास कार्यक्रम के मौके पर वार्ड नंबर 1,3 के पार्षदगण, मंडल अध्यक्ष और जलदाय विभाग के अधिकारी व क्षेत्रीय निवासी उपस्थित थे।

राज्यपाल सिंह ने किया राष्ट्रीय ध्वज और सोलर पावर प्लान्ट का लोकार्पण

जयपुर, 27 जनवरी (कासं.)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कल्याण सिंह ने राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा में स्थापित एक सौ फीट के राष्ट्रीय ध्वज और तीन सौ किलोवाट रूफ टॉप सोलर पावर प्लान्ट का शनिवार को यहां राजभवन से ऑनलाइन लोकार्पण किया। कुलाधिपति सिंह को राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति एन.पी. कौशिक ने राष्ट्रीय ध्वज और सोलर पावर प्लान्ट के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल सिंह को कुलपति कौशिक ने ''दा किंगडम दैट वाज कोटा'' में प्रचलित पेंटिंग्स पर आधारित कॉफी टेबल बुक भेंट की।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव देबाशीष पृष्टि, विशेषाधिकारी डॉ. अजय शंकर पाण्डेय सहित विश्वविद्यालय और राजभवन के अधिकारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को विश्वविद्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने कोटा में ऑनलाइन देखा।

महापौर ने निगम मुयालय पर किया ध्वजारोहण

जयपुर, 27 जनवरी (कासं.)। 69वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर महापौर डॉ. अशोक लाहोटी ने शुक्रवार को नगर निगम जयपुर मुख्यालय पर ध्वजारोहण किया। मंचासीन अतिथियों के रूप में उपमहापौर मनोज भारद्वाज, गणतंत्र दिवस व्यवस्था समिति के सदस्य पार्षद मान पंडित व पार्षद कुसुम यादव, आयुक्त रवि जैन, अतिरिक्त आयुक्त डॉ. हरसहाय मीणा उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रसिद्ध गायक रवींद्र उपाध्याय ने देशभक्ति के गीतों से समां बांध दिया और सभी को देशभक्ति की भावना से सराबोर कर दिया। उन्होंने जयपुर का स्वच्छता गीत जाग गया मेरा जयपुर भी गाया और लोगों को अपने आस-पास साफ-सफाई रखने का संदेश दिया। महापौर ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत पुन: विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने सभी से अपील की कि जयपुर शहर को नंबर 1 बनाने में अपना-अपना योगदान दें।

केन्द्रीय पर्यटन सचिव रश्मि वर्मा ने किया राजस्थान पेवेलियन का अवलोकन

जयपुर, 27 जनवरी (कासं.)। केन्द्रीय पर्यटन सचिव रश्मि वर्मा ने ऐतिहासिक लाल किला प्रांगण में आयोजित छह दिवसीय भारत पर्व में राजस्थान पेवेलियन का अवलोकन किया। वर्मा ने थीम पेवेलियन में राज्य के पर्यटन व सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रदर्शित की गई प्रदर्शनी की तारीफ की और कहा कि राजस्थान देशी विदेशी पर्यटकों के दिलों में बसा है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर देश की सांस्कृतिक विविधताओं का दिग्दर्शन करवाने के लिये पिछले वर्षो से केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित किये जा रहे भारत पर्व में इस बार पहले ही दिन राजस्थान की बहुरंगी संस्कृति आकर्षण का केंद्र रही।

दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला प्रांगण में 26 से 31 जनवरी तक आयोजित इस छह दिवसीय भव्य आयोजन में राज्यों के थीम पेवेलियन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, खानपान, हस्तशिल्प कला के स्टॉल्स लगाये गए हैं। साथ ही पहली बार प्रदेश के बावर्चियों द्वारा पाक कला का लाइव डेमोस्ट्रेशन भी रखा गया है । राजस्थान के लोक कलाकार 28 जनवरी को अपराह्न अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। इसी प्रकार 29 जनवरी को राजस्थानी पाक कला का लाइव डेमोंस्ट्रेशन होगा। विश्व प्रसिद्ध शाही रेलगाडी पैलेस ऑन व्हील्स के शेफ यह प्रदर्शन करेंगे। भारत पर्व के दौरान राजस्थान के चलते फिरते कलाकारो में कच्छी घोड़ी, गैर, कठपुतली कलाकार और राजस्थानी मेहँदी लगाने वाले कलाकार भी मौजूद रहेंगे।

गणतन्त्र दिवस-2018 हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया 69वां गणतंत्र दिवस समारोह

जयपुर, 27 जनवरी (कासं.)। 69वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर शुक्रवार को गुलाबी नगर में विभिन्न राजकीय कार्यालयों में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया गया एवं अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई दी गई।

मुख्यमंत्री निवास : गणतंत्र दिवस पर शुक्रवार को 13, सिविल लाइंस स्थित मुख्यमंत्री निवास पर प्रात: 8:00 बजे प्रमुख शासन सचिव तन्मय कुमार ने झंडारोहण किया गया। इस अवसर पर कम्पनी कमांडर जोगेन्द्र सिंह के नेतृत्व में आरएसी जवानों की टुकड़ी ने उन्हें सलामी दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख विशेषाधिकारी अरिजित बनर्जी, शासन सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय के के.के. पाठक सहित मुख्यमंत्री कार्यालय एवं मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव निवास : 69वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य सचिव निवास पर ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर मुख्य सचिव के परिजन और कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सूचना केन्द्र : गणतंत्र दिवस के अवसर पर जयपुर स्थित सूचना केन्द्र में अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) कैलाश यादव ने ध्वजारोहण किया और उपस्थित सभी लोगों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सूचना केन्द्र कर उप निदेशक, मती अलका सक्सेना एवं बड़ी संख्या कर्मचारीगण उपस्थित थे।

राजस्थान उच्च न्यायालय : राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश प्रदीप नंद्राजोग ने प्रात: 8.30 बजे बजे ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं अधिवक्तागण मौजूद थे।

सहकार भवन : सहकारिता विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार अभय कुमार ने शुक्रवार को गणतंत्र दिवस पर नेहरु सहकार भवन में प्रात: 8.45 बजे ध्वजारोहण किया। इससे पहले कुमार ने प्रशासन के रूप में अपेक्स बैंक एवं राजफैड परिसर में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर सहकारिता विभाग, राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय सहकारी संस्थाओं के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

राजस्थान राज्य वित्त आयोग : राजस्थान राज्य वित्त आयोग की अध्यक्ष डॉ. ज्योति किरण ने शुक्रवार को प्रात: वित्त भवन में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे राज्य के योजनाबद्ध विकास में भागीदार बनें। समारोह में वित्त आयोग के सदस्य सचिव एससी देरा, कोष एवं लेखा विभाग की निदेशक मती मंजुला वर्मा, स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग के निदेशक मनोज सक्सेना, कोष एवं लेखा विभाग के अतिरिक्त निदेशक अरविन्द दीवान, मती शिल्पी कौशिक, प्रदीप माथुर सहित विभागीय अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

राजस्थान आवासन मण्डल : राजस्थान आवासन मण्डल मुख्यालय पर शुक्रवार को गणतन्त्र दिवस के अवसर पर मण्डल के आयुक्त डॉ. कुंज बिहारी गुप्ता ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर मण्डल सचिव अनिल कुमार कौशिक एवं मण्डल के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

पंत कृषि भवन : पंत कृषि भवन में प्रात: कृषि आयुक्त, विकास सीताराम जी भाले ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित किया और गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कृषि, उद्यान, कृषि विपणन और राजस्थान राज्य बीज निगम के श्रेष्ठ कार्य करने वाले 16 कार्मिकों को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर कर्मचारी और अधिकारी मौजूद थे।

सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग : सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक डॉ. समित शर्मा ने शुक्रवार को अंबेडकर भवन पर 69वां गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें विभाग की योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के लिए भरसक प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा विभाग गरीब, पिछड़ों एवं शोषितों के उत्थान के लिए काम करता है, इसलिए हम सबको मिल जुल कर पूरी निष्ठा ईमानदारी से काम करना चाहिए। उन्होंने इस अवसर पर विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विभाग की अतिरिक्त निदेशक मती सोंचिता विश्नोई, अतिरिक्त निदेशक पेंशन मोहन सिंह वित्तीय सलाहकार सहित विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थति थे।

पुलिस कमिश्नरेट : 69वां गणतन्त्र दिवस शुक्रवार को पुलिस कमिश्नरेट में प्रात: हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर संजय अग्रवाल ने झण्डारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रशंसनीय सेवाओं के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग : गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर राज्य उपभोक्ता विवाद परितोष आयोग, राजस्थान, जयपुर हैण्डलूम हवेली, अशोक मार्ग सी-स्कीम, राजीव गांधी परिसर के मुख्यालय पर न्यायिक सदस्य विनय कुमार चावला, राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, राजस्थान, जयपुर ने प्रात: 8.00 बज गणतंत्र दिवस समरोह के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण किया। समारोह में मुख्यालय सहित जयपुर स्थित समस्त कार्यालयों के अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं राज्य उपभोक्ता संरक्षण बार एसोसिएशन के सभी सदस्य उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व प्रधानसंपादक: जसविन्द्र बल के आदेशानुसार राजस्थान भोर प्रकाशन 30 बी 31 राधाकृष्ण नगर इमलीवाला फाटक, जयपुर से मुद्रित व प्रसारित, (RNI - RAJ. HIN 2003 11416)- फोन: 0141-2590070, 2590091 फैक्स: 0141- 2594054 श्रीगंगानगर : 2 ई छोटी एस.एस.बी. रोड, श्रीगंगानगर (राज.) 9460557218, 90574-26604, नई दिल्ली :- डब्बलू जैड-338-339 नौंगलराया, नई दिल्ली-110046, मो. 90138-15739, 95822-82977, टैलीफैक्स 011-28114193